नई दिल्ली ■ शनिवार 03 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 276 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले | 07 पांचवें टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे उस्मान ख्वाजा | मुश्किल भरा था साल 2025 हिम्मत से पार किया निशा रावल 08

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार, एक्यूआई 236 दर्ज

सीएक्यूएम ने ग्रेप के तीसरे चरण के प्रतिबंध हटाए

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को वायु गुणवत्ता में सुधार के मद्देनजर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के इलाकों में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बृहस्पतिवार को 380 दर्ज किया गया था। एक्यूआई में शुक्रवार शाम चार बजे तक उल्लेखनीय सुधार हुआ और यह 236 दर्ज किया गया, जो एक सकारात्मक रुझान दर्शाता है।

वायु गुणवत्ता के मौजूदा रुझान को देखते हुए आयोग की जीआरएपी उप-समिति ने मौजूदा तीसरे चरण के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।

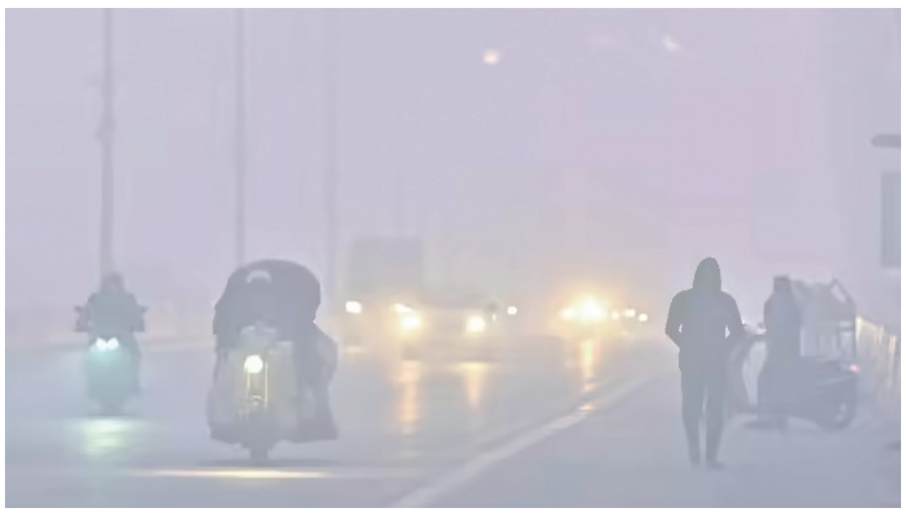

अधिकारी ने बताया कि एनसीआर में जीआरएपी के पहले और दूसरे चरण के तहत सभी कार्रवाइयां लागू रहेंगी। दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी गई है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों के अनुपालन के अधीन, मिट्टी का काम, ढेर लगाना, गड्ढे खोदना, वेल्डिंग, पेंटिंग, प्लास्टरिंग, टाइलिंग और फर्श बिछाने जैसे कार्य फिर से शुरू किए जा सकते हैं, साथ ही पत्थरों को तोड़ने, ईंट भट्टे और खनन गतिविधियां भी जारी रहेंगी। बयान में यह भी बताया गया कि सीमेंट, रेत सहित निर्माण सामग्री के परिवहन की भी अनुमति दे दी गई है।

तीसरे चरण के दौरान वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध भी हटा दिए गए हैं। बयान में बताया गया कि बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल चार पहिया वाहन सड़कों पर चल सकते हैं जबकि गैर-जरूरी डीजल से चलने वाले मध्यम मालवाहक वाहनों पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया है।

बयान में यह भी बताया गया कि अंतरराज्यीय डीजल बसें जो सीएनजी, इलेक्ट्रिक या बीएस-छह मानकों को पूरा नहीं करती हैं, उन्हें भी अब दिल्ली में प्रवेश करने से नहीं रोका जाएगा। बयान के मुताबिक, तीसरे चरण के दौरान हाइब्रिड मोड में चलाई जा रही पांचवीं तक की कक्षाएं पूरी तरह से फिर से शुरू हो सकती हैं। बयान में यह भी कहा गया कि पटाखों पर प्रतिबंध, होटलों, रेस्तरां और खुले भोजनालयों में कोयले व लकड़ी के उपयोग पर प्रतिबंध और डीजल जनरेटर सेट के उपयोग पर सीमाएं भी लागू रहेंगी। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में जीआरपी लागू है।

भारतमाला हाईवे पर ट्रेलर ने आठ लोगों को रौंदा, 4 लोगों की मौत

चार घायलों की हालत गंभीर

बीकानेर। जिले के नापासर पुलिस थाना क्षेत्र में भारतमाला हाईवे पर देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर गुरुवार देर रात एक ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए 8 लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार इस हादसे में घायल इंद्र सिंह ने बताया कि वे गांधीनगर की तरफ से आ रहे थे। हाईवे पर एक ऑटो पलटा हुआ था। ऑटो वाले ने लाइट दी तो वे रुक गये। वे ऑटो को उठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी स्पीड में आए ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इंद्र सिंह ने बताया कि वहां दो से तीन गाड़ियां और खड़ी थीं, जो चपेट में आ गईं। वे उछलकर डिवाइडर के तरफ गिरे, जिससे बच गये, नहीं तो ट्रेलर उनके ऊपर आ जाता। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें राजूराम पुत्र रामप्रसाद जाट निवासी लूणासर (चूरू), सुनील पुत्र लिच्छूराम गोदारा निवासी बादडिया (चूरू), सुनील पुत्र भंवरलाल बिश्नोई निवासी रासीसर (बीकानेर) और राजेश पुत्र पूरणमल जांगिड़ निवासी झीनी (झुंझुनूं) हैं। हादसे में घायल चार लोगों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल लाया गया। घायल जोधपुर के सालावास निवासी इंद्र सिंह, चूरू के राजलवाड़ा निवासी ताराचंद, बादडिया निवासी परमेश्वर और पूजा पत्नी राजेश जांगिड़ को बीकानेर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया हैं।

झारखंड में एक हाथी ने तीन लोगों को कुचलकर मार डाला

चाईबासा (झारखंड)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा वन प्रभाग के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग गांवों में एक हाथी ने बृहस्पतिवार देर रात तीन लोगों को कुचलकर मार डाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चाईबासा के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) आदित्य नारायण ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि ये घटनाएं रोरो वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों में हुईं। उन्होंने कहा कि हाथी का पता लगाने और ग्रामीणों को उन क्षेत्रों में जाने से रोकने के लिए एक त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) तैनात किया गया है, जहां हाथी अक्सर आता-जाता है। नारायण ने बताया, ऱ्हाथी अपने झुंड से भटक गया और डर के कारण ग्रामीणों पर हमला कर दिया। एक त्वरित प्रतिक्रिया दल उसका पीछा कर रहा है और ग्रामीणों को उन इलाकों में जाने से मना कर रहा है, जहां वह हाथी आ जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तानी ड्रोन ड्रग्स गिराते समय क्रैश, 4.88 किलो हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर। पाकिस्तान की ओर से इंटरनेशनल बॉर्डर के जरिए ड्रोन से की जा रही नशे की तस्करी का एक बड़ा मामला श्रीगंगानगर जिले में सामने आया है। नए साल की रात एक जनवरी को पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के माध्यम से करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन भारत भेजी, लेकिन ड्रग्स गिराते समय ड्रोन क्रैश हो गया। रावला थाना पुलिस ने मौके से 4.88 किलो हेरोइन, एक ड्रोन सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहान ने शुक्रवार को घड़साना पुलिस थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस पूरे मामले का खुलासा किया।

पूर्व आईपीएस के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। पंजाब में पूर्व आईपीएस अधिकारी के साथ करोड़ों की आनलाइन धोखाधड़ी मामले में पंजाब पुलिस ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के मीरा भायंदर के इलाके से शुक्रवार को आरोपित शेरा ठाकुर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसकी पुष्टि की है। इस मामले की पंजाब पुलिस गहन छानबीन कर रही है। हालांकि मुंबई पुलिस ने इस संबंध में आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अमर सिंह चहल ने पिछले सप्ताह को पटियाला में अपने घर पर लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को सीने में गोली मार ली थी। पुलिस को मौके से पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के नाम लिखा 12 पेज का सुसाइड नोट मिला था।

केंद्र सरकार ने 'एक्स' से अश्लील सामग्रियां तत्काल हटाने को कहा

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को कड़ा नोटिस जारी करते हुए मंच से सभी एआई-जनित अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्रियों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने कहा कि खासकर 'एक्स' के कृत्रिम मेधा (एआई) ऐप 'ग्रोक' के जरिये तैयार की गई सामग्री को तत्काल हटाना होगा। ऐसा नहीं करने पर सोशल मीडिया कंपनी के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी को भेजे नोटिस में कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत निर्धारित वैधानिक 'जांच-पड़ताल' दायित्वों का पालन न करने का आरोप है।

पालघर में बुलेट ट्रेन परियोजना की सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित रेल भवन से ही ऑनलाइन माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुलेट ट्रेन परियोजना की 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा होते देखा। वैष्णव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। यह उपलब्धि पर्वतीय सुरंग 5 का सफल निर्माण है। रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और यह विरार तथा बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है। महाराष्ट्र में यह दूसरी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का कार्य सितंबर 2025 में पूरा किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयंती पर समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन का पुण्य स्मरण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केरल के महान समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की 48वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण समाज का संदेश देते हैं। उनके आदर्श हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि मन्नथु पद्मनाभन की जयंती पर हम आज उन्हें गहरी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। उनका सारा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह दूरदर्शी थे। उनका मानना था कि सच्ची प्रगति गरिमा, समानता और सामाजिक सुधार में निहित है। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। उनके आदर्श हमें ऐसे समाज का संदेश देते हैं जो न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण हो। उल्लेखनीय है, दो जनवरी, 1878 को जन्मे मन्नथु पद्मनाभन महान समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और नायर सर्विस सोसाइटी के संस्थापक हैं। उन्हें नायर समुदाय के उत्थान और केरल में सामाजिक समानता लाने के लिए किए गए उनके कार्यों के लिए जाना जाता है। उन्हें भारत केसरी की उपाधि से सम्मानित किया गया। सरदार के.एम. पणिक्कर ने उन्हें 'केरल का मदन मोहन मालवीय' कहते थे। 1966 में उन्हें पद्म भूषण से नवाजा गया। उन्होंने वैकोम सत्याग्रह (1924) और गुरुवयूर सत्याग्रह (1931) में सक्रिय भूमिका निभाई ताकि निचली जातियों को मंदिरों में प्रवेश मिल सके। यही नहीं केरल में सैकड़ों स्कूलों, कॉलेजों और अस्पतालों की स्थापना की। 1949 में वे त्रावणकोर विधानसभा के सदस्य भी रहे।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों से पानी साझा नहीं कर सकता भारत: एस जयशंकर

चेन्नई। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को कड़े और स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जो देश लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, वह भारत से जल संसाधनों को साझा करने की मांग नहीं कर सकता। उन्होंने साफ किया कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने नागरिकों को आतंकवाद से बचाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विदेश नीति में यह स्पष्ट रूप से तय होना चाहिए कि कौन मित्र देश है और कौन शत्रु। भारत आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। एस. जयशंकर ने कहा कि जो पड़ोसी देश लगातार आतंकवाद का समर्थन करता है, उसके खिलाफ भारत को खुद को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। इस अधिकार का उपयोग कैसे और कब किया जाएगा, यह पूरी तरह भारत का संप्रभु निर्णय है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, यह कोई बाहरी ताकत तय नहीं कर सकती। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई देश एक साथ भारत में आतंकवाद फैलाने का प्रयास भी नहीं कर सकता और भारत से उसके जल संसाधनों को साझा करने की अपेक्षा भी नहीं रख सकता। उन्होंने कहा कि एक देश ने यह तय कर लिया है कि वह इच्छानुसार, स्थायी रूप से और बिना किसी पछतावे के आतंकवाद को जारी रखेगा। जयशंकर ने आगे कहा कि वर्षों से आतंकवाद को बढ़ावा देने के कारण पाकिस्तान को एक अच्छा पड़ोसी देश नहीं कहा जा सकता। ऐसे में वह पड़ोसी होने से मिलने वाले किसी भी लाभ की उम्मीद भी नहीं कर सकता। भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाता रहेगा। विदेश मंत्री के इस बयान को भारत की सख्त और स्पष्ट विदेश नीति का संकेत माना जा रहा है, जिसमें आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह की नरमी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को मिली जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मामले में विगत पांच माह से जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को आज उच्च न्यायालय बिलासपुर ने जमानत दे दी। चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम (मनी लॉन्ड्रिंग) की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधीश अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच ने यह निर्णय सुनाया है। फिलहाल, उन्हें ईओडब्ल्यू और ईडी मामले में जमानत मिली है। अन्य मामलों में जांच जारी है।

यूपी के फरीदपुर से भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का आकस्मिक निधन

बरेली। फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। बरेली सर्किट हाउस में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और शैक्षणिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर को यहां सर्किट हाउस में राज्य के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की एसआईआर को लेकर बैठक चल रही थी। इसी दौरान डॉ. श्याम बिहारी लाल को अचानक सीने में तेज और असहनीय दर्द उठा। हालत बिगड़ते देख अफसरों और सहयोगियों में अफरा-तफरी मच गई।

आनन-फानन में उन्हें मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने सीपीआर सहित तमाम प्रयास किए, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

लाल किला विस्फोट मामले में NIA ने चलाया तलाशी अभियान

श्रीनगर। एनआईए ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों में दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए बम विस्फोट की जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया है। एनआईए के अधिकारियों ने पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से आरोपितों में से एक यासिर अहमद डार को तलाशी अभियान में शामिल किया। अहमद को 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां के पदपावां इलाके और पुलवामा के पंपोर इलाके में जारी रही।

आज सूरज के सबसे पास पहुंच रही पृथ्वी सुपरमून जैसा दिखेगा पूर्णिमा का चांद

भोपाल। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए शनिवार, 03 जनवरी का दिन बेहद खास होने जा रहा है। इस दिन पृथ्वी पर नए साल का जश्न मनाने के लिए चंद्रमा और सूर्य दोनों हमारे सबसे पास आ रहे हैं, जहां चंद्रमा पृथ्वी के पास आकर लगभग सुपरमून जैसा होगा तो पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करते हुए उस बिंदु पर पहुंच रही है, जो सूर्य के सबसे नजदीक है।

मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आकाशमंडल के सभी पिंड अपनी परिक्रमा अंडाकार पथ में करते हैं, जिससे पूरी परिक्रमा के दौरान ये एक बार सबसे पास के बिंदु पर आते हैं तो एक बार सबसे दूर पहुंच जाते हैं और नये साल की शुरुआत में इनके पास आने की स्थिति आ रही है। उन्होंने बताया कि पास आने की यह स्थिति पेरिहेलियन कहलाती है। सारिका ने बताया कि शनिवार रात्रि 10 बजकर 45 मिनट पर पृथ्वी इस साल सूर्य के सबसे निकट पहुंच जाएगी और इसकी दूरी घटकर 14 करोड़ 70 लाख 99 हजार 894 किलोमीटर रह जायेगी जबकि जुलाई में यह दूरी बढ़कर 15 करोड़ 20 लाख 87 हजार 774 किलोमीटर हो जाएगी। उन्होंने बताया कि अनेक सोशल मीडिया पर शनिवार के चंद्रमा को वुल्फ सुपरमून के रूप मे बताया गया है। खगोलविज्ञान की दृष्टि से चंद्रमा एक जनवरी को पृथ्वी के सबसे नजदीक बिंदु पर पहुंचा था। अब यह दूर होना शुरू हो चुका है, इसलिये यह सुपरमून जैसा है, पूरी तरह सुपरमून नहीं है। शनिवार को पूर्णिमा की अवस्था में पहुंचने पर चंद्रमा मिथुन राशि में स्थित रहते हुये पृथ्वी से लगभग तीन लाख 62 हजार किलोमीटर की दूरी पर होगा और यह शाम उदित होकर रात भर आकाश में रहेगा। अगर आप वास्तविक सबसे बड़े और चमकदार सुपरमून को देखना चाहते हैं तो इसके लिए 24 दिसम्बर का इंतजार करना होगा। सारिका ने बताया कि नये साल के प्रथम सप्ताह में जहां चंद्रमा भी पृथ्वी के नजदीक आ रहा है और पृथ्वी भी सूरज के सबसे पास के बिंदु पर आ रही है तो इस वीकेंड पर पृथ्वी के पास स्थित सन एवं मून के साथ नववर्ष 2026 के आगमन की खुशियां मनाइए।

15 सौ करोड़ के जमीन घोटाले में पूर्व कलेक्टर राजेंद्र पटेल गिरफ्तार

गांधीनगर। गुजरात के प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मचाने वाले लगभग 1500 करोड़ रुपये के ज़मीन घोटाले में ईडी ने सुरेंद्रनगर के तत्कालीन कलेक्टर राजेंद्र पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। गांधीनगर स्थित उनके निवास पर तीन अलग-अलग टीमों ने लंबी पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार करीब तीन घंटे तक चली गहन पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पूर्व कलेक्टर की गिरफ्तारी की गई है। सूत्रों ने बताया कि अब आरोपित पूर्व कलेक्टर को ईडी विशेष अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करेगी।

जांच में सामने आया है कि सुरेंद्रनगर में खेती की ज़मीन को बिनखाती करने के बदले करोड़ों रुपये का अवैध लेन-देन हुआ। आरोप है कि पद का दुरुपयोग कर नियमों को दरकिनार करते हुए ज़मीनों के दर्जे में बदलाव कराया गया। इस घोटाले की गंभीरता को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने 23 दिसंबर 2025 को सुरेंद्रनगर में तत्कालीन कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

जीआईएमएस में भारत के पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्लिनिक का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा । भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाई देते हुए भारत सरकार के अतिरिक्त महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ ने गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस), ग्रेटर नोएडा में स्थापित एआई क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन किया। यह क्लिनिक सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन के अंतर्गत शुरू किया गया है। यह पहल इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि यह सरकारी अस्पताल के भीतर स्थापित भारत का पहला एआई क्लिनिक है।

उत्तर प्रदेश के पहले सार्वजनिक अस्पताल आधारित मेडिकल इनक्यूबेटर सेंटर के माध्यम से शुरू किए गए इस क्लिनिक का उद्देश्य एआई आधारित हेल्थकेयर स्टार्टअप्स को वास्तविक क्लिनिकल वातावरण में अपने समाधान विकसित करने, परीक्षण करने और प्रमाणित करने का अवसर देना है। ऑनलाइन उद्घाटन कार्यक्रम में देश-विदेश से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें चिकित्सक, एआई स्टार्टअप्स, शोधकर्ता, नीति निर्माता और शिक्षाविद शामिल रहे। कार्यक्रम में औषधि विभाग (मेडिकल डिवाइसेज़), भारत सरकार के संयुक्त सचिव भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इसे मेडिकल डिवाइस और एआई आधारित स्वास्थ्य समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण मंच बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर (डॉ.) राकेश कुमार गुप्ता, प्रोफेसर (बाल रोग) एवं निदेशक, जीआईएमएस ने कहा कि यह पहल हेल्थकेयर स्टार्टअप्स के लिए अवसर और पहुँच का नया द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक अस्पताल आधारित मेडिकल इनक्यूबेटर के माध्यम से एआई क्लिनिक की शुरुआत समय की आवश्यकता है, जिससे नवाचार सीधे मरीजों और चिकित्सकों तक पहुँच सके।

वहीं सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन, जीआईएमएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राहुल सिंह ने कहा कि एआई क्लिनिक हेल्थकेयर क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप्स के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करेगा, जहाँ वे सरकारी अस्पताल के वास्तविक वातावरण में अपने एआई समाधानों को विकसित और प्रमाणित कर सकेंगे। कार्यक्रम में एसेक्स एनएचएस ट्रस्ट, लंदन (यूके) के लीड कंसल्टेंट – पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी डॉ. शिवकुमार मणिकम सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और आईआईटी लखनऊ जैसे प्रमुख शैक्षणिक एवं नवाचार संस्थानों की सहभागिता ने आयोजन को बहु-विषयक और वैश्विक स्वरूप प्रदान किया। प्रतिभागियों ने सार्वजनिक अस्पताल में इस तरह की एआई पहल शुरू करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शिता की सराहना की और इसे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बताया। ऑनलाइन उद्घाटन के बाद 6 जनवरी को प्रस्तावित भौतिक (फिजिकल) लॉन्च को लेकर स्टार्टअप्स और चिकित्सकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। एआई क्लिनिक का लक्ष्य क्लिनिकल एआई, मेडिकल इमेजिंग, क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, वर्कफ़्लो ऑप्टिमाइज़ेशन, पेशेंट सेफ्टी और डेटा-आधारित स्वास्थ्य समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करना है।

फीडर मैनेजर बिजली सप्लाई से लेकर उपभोक्ताओं से करेंगे संवाद स्थापित

नोएडा। जिले में बिजली उपकेंद्रों पर लगे फीडरों पर फीडर मैनेजर तैनात कर दिए गए है। फीडर मैनेजर की जिम्मेदारी होगी कि फीडर से कितनी बिजली गई और कितनी बिजली के बिल तैयार हुए। इसके साथ ही क्षेत्र के उपभोक्ताओं के साथ सवांद भी स्थापित करेंगे।

उपभोक्ताओं को आने वाली समस्याओं के समाधान का प्रयास भी करेंगे। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार फीडर मैनेजर देखेगा कि उसके फीडर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिल मिल रहे हैं या नहीं। कहीं गलत बिल तो नहीं मिल रहे हैं। फीडर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के साथ नियमित संवाद भी बनाए रखेगा। इसके साथ ही फीडर क्षेत्र के उपभोक्ताओं के बिल जमा कराने का कार्य भी करेंगे। जिले के विद्युत निगम के अधिकारियों ने चेयरमैन के आदेश के बाद फीडर मैनेजर तैनात कर दिए है। इसके साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय कर दी है। इसमें बिजली लाइन की निगरानी के साथ अर्थिंग और लोड बैलेंस का भी ध्यान रखना होगा।

विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार जिले में विद्युत निगम के 106 बिजली उपकेंद्र है। इन उपभोक्ताओं पर करीब 810 फीडर लगे हुए है। इसमें सर्किल वन में 357 फीडर और सर्किल-टू में 453 फीडर है। इन बिजली फीडर पर फीडर मैनेजर तैनात कर दिए है। कर्मचारियों की संख्या कम होने की वजह से एक व्यक्ति को एक से दो या दो से तीन फीडर का मैनेजर भी तैनात किया गया है। इनके कार्यों की निगरानी क्षेत्र के जेई और एई करेंगे। इसी तरह जेई और एई के कार्यों की निगरानी अधीशासी अभियंताओं की होगी।

26 जनवरी को शुरू होगा क्लॉक टावर

नोएडा। सेक्टर-38ए जीआईपी मॉल के सामने बन रहा क्लॉक टावर का शुभारंभ इस महीने 26 जनवरी को कराने की तैयारी है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि काम अंतिम चरण में है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि सेक्टर-128 जेपी गोलचक्कर के पास बनाए गए क्लॉक टावर का शुभारंभ गुरुवार को कर दिया गया था। इससे पहले सेक्ट-18 में भी एक छोटे क्लॉक टावर की शुरुआत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि अब जीआईपी मॉल के सामने पुलिस चौकी के पास भी श्रीनगर के लाल चौक की तर्ज पर घंटाघर बनाया जा रहा है। इसका काम अंतिम चरण में है। प्रयास है कि इसी महीने 26 जनवरी को इसका शुभारंभ कर दिया जाए। क्लॉक टावर के शुरू होते ही यहां बनी पुलिस चौकी को शिफ्ट किया जाएगा। सेक्टर-18 व उसके आसपास मॉल में आने वाले लोगों के लिए यह आकर्षण का केंद्र होगा। यहां बैठने के लिए बेंच भी लगाई जाएंगी।

पुलिस ने बरामद किए 77 चोरी और गुम हुए स्मार्टफोन, पीड़ितों को लौटाए

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गुम और चोरी हुए 77 स्मार्ट मोबाइल फोन को ढूंढकर शुक्रवार को पीड़ितों को सौंप दिया। गठित स्पेशल टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से गायब हुए मोबाइल फोनों को तलाशा किया। पुलिस के अधिकारियों के अनुसार यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। वहीं सभी मोबाइल धारकों ने अपने-अपने मोबाइल फोन वापस पाकर पुलिस की प्रशंसा की और अपना मोबाइल देखकर सभी के चेहरे खिल उठे। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में एवं डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद तथा एडीसीपी शैव्या गोयल के पर्यवेक्षण में नोएडा जोन पुलिस द्वारा गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया था।

इस अभियान के अंतर्गत विगत दिनों नागरिकों के गुम हुए कुल 77 मोबाइल फोन को सर्विलांस की सहायता से तलाश किया गया। इसी क्रम में आज बरामद मोबाइल फोन में से 50 मोबाइल फोन को विधिवत पहचान के बाद उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किया गया। एडीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि लोगों के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटो, बसों, सुबह-शाम टहलते समय मोबाइल गिर जाते थे या कहीं छूट जाते थे। जिनके संबंध में थानों में गुमशुदगी दर्ज थी।

इससे पहले भी पुलिस कई मोबाइल फोनों को तलाश कर पीड़ितों के सुपुर्द कर चुकी है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सभी थानों से चोरी और गुम हुए मोबाइल की जानकारी ली गई। इसके बाद नंबर को सर्विलांस पर लगाया गया। अन्य तकनीकों का भी इस दौरान सहारा लिया गया। कई मोबाइल को चोरों और बदमाशों ने राहगीरों को बेहद कम दाम में बेच दिया था। पुलिस ने जब मोबाइल खरीदने वालों को कार्रवाई का डर दिखाया तो उन्होंने मोबाइल फोन पुलिस के सुपुर्द कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मोबाइल फोन के मालिकों को ट्रेस करके आज उन्हें मोबाइल फोन सौंप दिया है। पुलिस द्वारा मोबाइल फोन सौंपे जाने से फोन के मालिकों के चेहरे पर मुस्कान बिखर गई। उन्होंने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि नोएडा जोन पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास को सुदृढ़ करने के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार प्रभावी एवं संवेदनशील कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

टावर से उपकरण चुराने वाले दो चोर गिरफ्तार

नोएडा। मोबाइल फोन टॉवरों से आरआरयू उपकरण चोरी करने वाले 2 शातिर चोरों को थाना बीटा-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से एक आरआरयू उपकरण, ए चोरी की मोटरसाइकिल व चाकू बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने अन्य जगहों से अवैध असलहा व शराब के साथ 6 अन्य बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से मोबाइल टॉवर के आरआरयू उपकरण चोरी करने वाले दो अभियुक्त सविन्दर पुत्र विकारी तथा गगन पुत्र बलराज सिंह को थाना क्षेत्र के पी-3 गोल चक्कर से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि अभियुक्त शातिर किस्म के चोर हैं, जो रेकी करके मोबाइल टॉवर से आरआरयू उपकरण व मोटरसाइकिल चोरी करते है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों द्वारा करीब एक माह पूर्व नोएडा से मोटरसाइकिल चोरी किया गया था व 4-5 दिन पहले आरआरयू उपकरण को कासना क्षेत्र के एक होटल के पास से एक मोबाइल फोन टॉवर से चोरी किया गया था। उन्होंने बताया कि आज अभियुक्तगण चोरी की मोटरसाइकिल से चोरी किये गये आरआरयू उपकरण को बेचने के लिये जा रहे थे। उसी दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया है। थाना फेस-दो पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सलीम पुत्र मंगल खान को चोरी की एक मोटरसाइकिल तथा एक अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना सेक्टर-142 पुलिस ने विशाल पुत्र राजेंद्र को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना सूरजपुर पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेच रहे शिवम पुत्र जयप्रकाश को गिरफ्तार कर 40 पाउच देशी शराब बरामद किया है। एक अन्य मामले में मनीष कसाना पुत्र महाराज सिंह कसाना को गिरफ्तार कर एक अवैध चाकू बरामद किया है।

थाना सेक्टर-20 पुलिस ने एक सूचना का आधार पर शाहिद उर्फ भोला को गिरफ्तार कर 48 अद्धा हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब बरामद किया है। एक अन्य मामले में आमीन पुत्र बशीर को गिरफ्तार कर देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अमन उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर 30 पव्वा देशी शराब बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह काफी दिनों से अवैध रूप से मदिरा बेच रहा था।

यूपीसीडा के सेक्टरों में वेंडिंग जोन का काम तेज

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक सेक्टर सूरजपुर साइट-4, 5 और सी में वेंडिंग जोन (फुटपाथ बाजार) विकसित करने का काम तेज कर दिया गया। उम्मीद है कि अगले एक से दो माह में दुकानें बनकर तैयार हो जाएंगी। इससे अवैध रूप से लगने वाली ठेली पटरी की समस्या दूर हो जाएगी।

यूपीसीडा ने सूरजपुर साइट-4,5 और बी, सी में फुटपाथ बाजार विकसित किए जाने की योजना बनाई है। इस पर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत प्रथम चरण में सेक्टर साइट-4, 5 व सी में 60 से अधिक दुकानें (क्योस्क) बनाई जा रही हैं। प्रबंधक हरिओम ने बताया कि साइट-4 व 5 में 25-25 दुकानें बनाई जा रही हैं। भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। दुकानें बनकर तैयार हो जाने के बाद आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो सेक्टर में पहले से ठेली पटरी लगाते हैं। अधिकारियों का कहना है कि ठेली पटरी के व्यवस्थित हो जाने से सेक्टर की सुंदरता भी बढ़ जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अब तक नौ सेक्टरों अल्फा-2, बीटा-1,2, गामा-2, डेल्टा-1,3, पाई-1,2 और सेक्टर-36 में 500 से अधिक पथ विक्रेताओं के लिए एक निश्चित जगह पर छोटी- छोटी दुकानें बनाई जा चुकी हैं। इनमें क्योस्क भी शामिल हैं।

> औद्योगिक सेक्टर में सुविधाएं बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इसी के तहत वेंडिंग जोन भी विकसित किया जा रहा है। यहां छोटी- छोटी दुकानें बनाकर सेक्टर में इधर- उधर ठेली पटरी लगाने वालों को आवंटित की जाएंगी। इससे अतिक्रमण की समस्या दूर होगी।
>
> *- नवीन कुमार जैन*
> *वरिष्ठ प्रबंधक, यूपीसीडा*

वहीं, चार सेक्टरों जू-1,3, ओमिक्रोन-1ए और 3 में 239 का काम चल रहा है। बता दें कि वर्ष 2022 में हुए सर्वेक्षण में 619 पथ विक्रेताओं को चिन्हित किया गया था। प्रथम चरण में लॉटरी के जरिए 96 पथ विक्रेताओं को सेक्टर बीटा-1,2, अल्फा- 2 और सेक्टर-36 के फुटपाथ बाजार में जगह आवंटित की जानी है। इसमें से 69 ने निर्धारित फीस भी जमा करा दी है। इन सेक्टरों में आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इसके लिए नये सिरे से सत्यापन किया जा रहा है।

वायु प्रदूषण में गिरावट, दो सेक्टरों में हवा मध्यम

नोएडा का एक्यूआई 229 और ग्रेनो का 238 दर्ज किया गया

ग्रेटर नोएडा। लंबे समय के बाद नोएडा और ग्रेनो में हवा की गुणवत्ता में कुछ हद तक सुधार हुआ है। साथ ही शहर के दो सेक्टरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स मध्यम श्रेणी में आ गए हैं। शुक्रवार को नोएडा का एक्यूआई 229 व ग्रेनो का 238 दर्ज किया गया, जो बीते दिन के मुकाबले 138 व 114 अंक कम है। पिछले करीब एक माह में प्रदूषण के मामले में यह सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है।

बता दें कि विगत करीब तीन दिनों से लगातार नोएडा व ग्रेनो का एक्यूआई 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में बना हुआ था। यहां तक कि कई दिनों तक नोएडा व ग्रेनो देशभर में सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शुमार रहे। अफसरों ने प्रदूषण की रोकथाम के लाख दावे किए, लेकिन हवा की स्थिति नहीं सुधरी। शहर गैस चैंबर में तब्दील रहा हालांकि नववर्ष में प्रदूषण का स्तर लगातार कम हो रहा है। शुक्रवार को प्रदूषण का स्तर काफी हद तक सुधारात्मक रहा। दोपहर के समय आसमान पर कोहरे की चादर भी रही, हालांकि सुबह व शाम घना कोहरा रहा, जिससे सड़क पर वाहन चालकों को तमाम परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह है कि अबतक सबसे प्रदूषित रहने वाले सेक्टर 62 और नॉलेज-3 में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहा। सेक्टर-62 का एक्यूआई 192 और नॉलेज पार्क 3 में 197 दर्ज किया गया, जोकि पिछले दिनों में 400 तक पहुंच गए थे। यह दोनों ही सेक्टर हाइवे के किनारे हैं, साथ ही कॉलेज होने के कारण यहां यातायात का दबाव अधिक रहता है। वहीं, सेक्टर-125 में 223, सेक्टर-1 में 225 व सेक्टर-116 में 240 यानी हवा खराब श्रेणी में है।

इसके अलावा नॉलेज पार्क 5 में एक्यूआई 244 दर्ज हुआ है। कोहरे से बचाव को रिफ्लेक्टर टेप चिपकाई राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर कर्मचारियों ने यात्रियों को सुरक्षित ड्राइविंग के पैम्पलेट वितरित किए, भारी वाहनों के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप चिपकाई और बाइक चालकों और पीछे बैठे सवारियों को हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ प्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि एक्सप्रेसवे पर हादसे रोकने के लिए कई दिनों से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

ठंड ने मुसीबत बढ़ाई शुक्रवार को दिनभर सात किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। रात के समय शीतलहर चलने से तापमान में भी गिरावट आई, जिससे ठंड बढ़ी और जनजीवन प्रभावित हुआ। नोएडा का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 11 व न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड से बचाव के लिए लोग जगह जगह अलाव जलाकर हाथ सेंकते नजर आए। वहीं, प्रशासन के अफसर बेसहारा लोगों को राहत शिविरों में भेजने के लिए प्रयास में जुटे रहे।

हमारी संस्कृति और स्वभाव की जड़ें हमेशा मजबूत रहनी चाहिए: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि विकास और प्रगति हमारी प्राथमिकता है, लेकिन हमारी संस्कृति और स्वभाव की जड़ें हमेशा मजबूत रहनी चाहिए। मुख्य अतिथि के रूप में रेखा गुप्ता ने यह बात आज दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में तीन दिवसीय 'दिल्ली 'शब्दोत्सव' 2026' के उद्घाटन के दौरान कही।

यह कार्यक्रम प्रदेश सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग और सुरुचि प्रकाशन द्वारा आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीयता, संस्कृति और साहित्य का समागम करना है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में रेखा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, दिल्ली शब्दोत्सव के संयोजक हर्ष वर्धन त्रिपाठी और सुरुचि प्रकाशन के अध्यक्ष राजीव तुली सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। म

ुख्यमंत्री ने कहा, ₹यह मंच भारतीय इतिहास के तीनों कालों, अतीत, वर्तमान और भविष्य, के बीच संवाद स्थापित करेगा, जो वैदिक युग से लेकर आज के डिजिटल युग तक भारत की प्रगति को दर्शाएगा।₹ दिल्ली संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जब कोई पत्थर उठता है सेना के ऊपर या कोई पत्थर चलता है पुलिस के ऊपर या कोई पत्थर चलता है मंदिर के ऊपर, वह पत्थर हाथ में बाद में आता है और दिमाग में पहले आता है। जो नक्सली बंदूक उठाता है, कोई जिहादी आतंकवादी बंदूक उठाता है, डॉक्टर होकर भी बम बनके फटने को तैयार हो जाता है, वह बम हाथ में बाद में आता है, दिमाग में पहले उसे रखा जाता है। ये जो दिमाग में बंदूकें और बम रखने का ये जो वैचारिक आतंकवाद है, इस वैचारिक आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक है ये दिल्ली का शब्दोत्सव। मंत्री ने कहा, ₹हमने भी ये संकल्प लिया है कि दिल्ली को नक्सली विचारधारा, झूठे इतिहास, धर्म विरोधी सोच, इससे मुक्ति दिलाने के लिए जो संभव होगा वह करेंगे और इसकी ये शुरुआत दिल्ली शब्दोत्सव से हम लोग कर रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि यह आयोजन हर वर्ष होगा। राजीव तुली ने कहा कि जब इस देश का समाज जागेगा और संगठित होगा, तो वह ऐसे भव्य, दिव्य, आध्यात्मिक, सामाजिक, साहित्यिक कार्यक्रम करेगा। इससे विश्व को पता चलेगा, कि भारत क्यों विश्व गुरु है या भारत को क्यों विश्व गुरु बनना चाहिए। तो वह चाहे कुंभ का आयोजन हो, चाहे इस साहित्यिक और सांस्कृतिक कुंभ का आयोजन हो। सत्र का पहला दिन स्वावलंबन से शौर्य और भीतर का रण:आंतरिक मोर्चे की चुनौतियों पर केंद्रित रहा। सांस्कृतिक संध्या 6 बजे शुरू हुई, जिसमें माधवाज बैंड और हर्षदीप कौर ने प्रस्तुति दी। सत्र के दूसरे दिन (03 जनवरी) को 'हिन्दू इतिहास', 'मिथक का सत्य', 'सिनेमा में हिन्दू', 'वंदे मातरम और बंगाल' जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर सत्र होंगे। शाम 5:30 बजे से शुरू होने वाली सांस्कृतिक संध्या में प्रहलाद सिंह टिपाणिया और पांडवाज बैंड अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। उत्सव के अंतिम दिन 'संघ शक्ति कलियुगे' और 'देश की आंतरिक एवं बाह्म सुरक्षा पर उद्बोधन' जैसे समसामयिक एवं वैचारिक सत्र आयोजित होंगे। समारोह का समापन सत्र शाम 5:30 बजे साधो बैंड और गायक हंसराज रघुवंशी की प्रस्तुति के बाद किया जाएगा। 5:15 बजे तक होगा। इस मौके पर तीन दिन में 40 से अधिक पुस्तकों का लोकार्पण, छह बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम, दो बड़े कवि सम्मेलन, ओपन माइक (युवाओं के लिए), विभिन्न प्रकाशनों के बुक स्टॉल (सुरुचि, प्रभात, गरुण आदि), भोजन के फूड स्टॉल, 100 से अधिक वक्ता और कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक चलेगा और प्रवेश निःशुल्क है।

शिक्षकों से संबंधित दुष्प्रचार के लिए आप को माफी मांगनी चाहिए : शिक्षा मंत्री सूद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली में शिक्षकों के जरिए अवारा कुत्तों की गिनती से संबंधित फर्जी खबरों और दुष्प्रचार के प्रसार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने और एफआईआर दर्ज करने का सरकार ने सोच-समझकर निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के बारे में झूठ फैलाकर और जनता को गुमराह करने वाले इस दुष्प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आम तौर पर हम बेरोजगार राजनेताओं पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करते, लेकिन इस बार फर्जी खबरों और दुष्प्रचार का प्रसार चंडीगढ़ से आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा किया गया है, इसलिए हमें अधिकारियों से संपर्क करना पड़ा। यह दुर्भावनापूर्ण प्रचार अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पोस्ट के जरिए किया। इसलिए, गंभीर और सोच-विचार के बाद सरकार ने इसके खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है।

आशीष सूद ने कहा कि आप अब दिल्ली में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए शूट-एंड-स्कूट राजनीति में उतर आई है, हर मुद्दे पर जनता को गुमराह करने और दुष्प्रचार में लगी हुई है। आप पहले झूठ फैलाएगी, जनता को गुमराह करने की कोशिश करेगी और फिर अंत में पीडित कार्ड लेकर आ जाएंगे। आशीष सूद ने कहा कि आप सिर्फ विज्ञापन और दुष्प्रचार में लगी रही। वहीं, हम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की हर व्यवस्था को लगातार और ठोस प्रयासों से मजबूत बना रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

न्यू सीलमपुर में लाखों की नकदी और तांबा-पीतल चोरी

नई दिल्ली। न्यू सीलमपुर इलाके में अज्ञात चोरों ने एक मेटल की दुकान का ताला तोड़कर 11.50 लाख रुपये नकद, 300 किलो तांबा और 25 किलो पीतल चोरी कर लिया। घटना 29 दिसंबर देर रात की है। दुकान मालिक सनी गोयल ने बताया कि उन्होंने रात 8 बजे दुकान बंद कर घर लौट गए थे। दुकान के ऊपर रहने वाले कारीगर पंकज ने सुबह करीब 4:30 बजे ताला टूटा होने और शटर खुला होने की जानकारी दी। सनी गोयल तुरंत दुकान पहुंचे और चोरी की पुष्टि की। सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। पड़ोसियों और दुकानदारों में चोरी को लेकर डर और चिंता का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ क्राइम टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

दिल्ली में सजेगा महाराष्ट्रीय हुरडा और संक्रांति उत्सव

नई दिल्ली। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच दिल्लीवासियों को महाराष्ट्र की ग्रामीण संस्कृति, परंपराओं और स्वाद से रूबरू कराने के लिए कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित न्यू महाराष्ट्र सदन में 9 से 11 जनवरी तक पारंपरिक 'हुरडा पार्टी' और 'मकर संक्रांति महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। निवासी आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आर. विमला ने बताया कि यह महोत्सव प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 9:30 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। दिसंबर में आयोजित महाराष्ट्र खाद्य महोत्सव की सफलता के बाद इस बार सर्दियों की खास ग्रामीण दावत हुरडा को केंद्र में रखा गया है। मकर संक्रांति की पृष्ठभूमि में आयोजित इस उत्सव में पुणे, सोलापुर, नासिक और मराठवाड़ा के देहाती इलाकों जैसा माहौल तैयार किया जाएगा, जहां अलाव की गर्माहट के बीच ताजी ज्वार के दानों से बने हुरडा का आनंद लिया जा सकेगा। इसके साथ लहसुन की चटनी, मूंगफली का कूट, पीला गुड़, शुद्ध घी, छाछ, पिठला-भाकरी, भरीत-भाकरी, बटाटा वड़ा, गरमागरम भजिए, गन्ने की गंडेरी, बेर और हरे चने जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे। संक्रांति के अवसर पर महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प और ग्रामीण उत्पादों की बिक्री भी महोत्सव का आकर्षण होगी। निवासी आयुक्त आर. विमला और निवेश निवासी आयुक्त सुशील गायकवाड ने दिल्लीवासियों और प्रवासी महाराष्ट्रवासियों से इस अनोखे सांस्कृतिक उत्सव में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर आप ने दिल्ली सरकार से पूछे सवाल

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती और निगरानी का काम सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का डर दिखाने की बजाय शिक्षकों के सवालों का जवाब देना चाहिए।

आप के प्रवक्ता और विधायक संजीव झा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर दिल्ली सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालय ने 20 नवंबर 2025 और 5 दिसंबर 2025 को दो सर्कुलर जारी किए, जिनमें शिक्षकों से आवारा कुत्तों की गिनती कराने का निर्देश है। उन्होंने पूछा कि शिक्षा निदेशालय ने इसे लेकर कल पत्रकार वार्ता में दावा किया कि कोई आदेश जारी नहीं हुआ और एफआईआर की धमकी दी। तो ये सर्कुलर किसने जारी किए? अगर ये विभाग का आदेश नहीं था तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

दिल्ली के सरकारी स्कूलों को एक शिफ्ट में बदलने की घोषणा गुमराह करने वाली : देवेंद्र यादव

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार के जरिए दो शिफ्टों में चल रहे दिल्ली के सरकारी स्कूलों को एक शिफ्ट में बदलने की घोषणा को गुमराह करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालय के अनुसार कुल 799 स्कूल है और 284 स्कूल दो शिफ्टों में चल रहे और सरकार की नीति के अनुसार सभी स्कूलों को एक शिफ्ट में करने में 25 वर्ष से भी अधिक का समय लगेगा।

देवेंद्र यादव ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में लगातार गिरते शिक्षा के स्तर के कारण दिल्ली सरकार के स्कूलों में छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही है। शिक्षा निदेशालय का हर वर्ष 10 स्कूल बनाने के लक्ष्य पर 284 स्कूलों को एक शिफ्ट का करने के लिए अभी सिर्फ 70 खाली प्लाट ही चिन्हित किए हैं, जबकि वर्ष 2013 में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार 1000 जगह नए सरकारी स्कूल बनाने के लिए चिन्हित किए थे और हर वर्ष 200 स्कूल बनाने का लक्ष्य रखा था। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में 50 स्कूल बनाने की भाजपा सरकार की निर्माण गति इनकी मंशा को दर्शाती है कि ये दिल्ली और दिल्ली का भविष्य छात्रों के प्रति कितने संवेदनशील है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पूरे कार्यकाल में शिक्षा मॉडल को बदलने का बखान करती रही लेकिन नए स्कूल बनाने में पूरी तरह विफल साबित रही, सिर्फ 10 वर्ष में 8-10 स्कूल बनाए और स्कूलों में क्लास रुम बढ़ाने में भी भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस सरकार द्वारा स्कूलों के लिए चिन्हित जगहों पर न तो आआपा की सरकार ने गौर की और नहीं भाजपा सरकार इस ओर ध्यान दे रही है। देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में सरकारी स्कूलों में कक्षाओं में अधिक तादात में बच्चों होने की बात कही थी। अगर दो शिफ्टों में बच्चे पढ़ने से एक कक्षा में क्षमता से अधिक बच्चे है, अगर सरकार सभी छात्रों को एक शिफ्ट में ले आएगी तो स्कूलों का क्या हाल होगा। उन्होंने कहा कि अनुपात से अधिक कक्षा में छात्रों के कारण परीक्षा परिणाम तक प्रभावित हो रहे है जिसके छात्र हर वर्ष सरकारी स्कूल छोड़ कर निजी स्कूलों की तरफ रुख कर रहे हैं।

ब्रह्मपुत्र मेल में महिला यात्री को नशीला पदार्थ देकर लूटने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता से ट्रेनों में यात्रियों को नशीला पदार्थ देकर लूटने (जहरखुरानी) की एक बड़ी वारदात का पर्दाफाश हुआ है। दिल्ली मुख्य पोस्ट, मंडल टीओपीबी टीम और सीईबी दिल्ली ईस्ट की संयुक्त टीम ने ब्रह्मपुत्र मेल (ट्रेन नंबर 15657) में महिला यात्री के साथ हुई लूट की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घटना 29 दिसंबर 2025 की है जब ब्रह्मपुत्र मेल में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को आरोपी ने विश्वास में लेकर चाय में नशीली गोलियां मिलाईं और बेहोश होने पर उससे 4 हजार रुपये नकद व मोबाइल चोरी कर लिया। पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन आरपीएफ इंस्पेक्टर निलेश कुमार की नेतृत्व में उप निरीक्षक रामसुंदर, सुनील कुमार, सहायक उप निरीक्षक पवन, कुलदीप सिंह, यशपाल सिंह, कांस्टेबल मंदीप और जयपाल सिंह के साथ एक टीम बनाई गई। टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच कर संदिग्ध की पहचान कर मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सुशील को पकड़ लिया।

आरोपी के पास से चोरी के 4 हजार रुपये नकद और 30 नशीली गोलियां (Peingo Plus) बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया। उसके खिलाफ जीआरपी पुरानी दिल्ली थाने में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। आरोपी पर पहले के भी कई मामले दर्ज है।

आरोपी ट्रेन में खाली सीट देखकर या टीटी से बात कर सीट लेता है, यात्रियों से दोस्ती करता है और चाय या बिस्कुट में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर लूटता है, फिर ट्रेन से उतर जाता है। आरोपी ने कबूला कि वह पहले भी अपने साथी के साथ पुरानी दिल्ली, अलीगढ़, टूंडला और कानपुर में कई वारदातें कर चुका है। इंस्पेक्टर निलेश कुमार की यात्रियों से अपील है कि अजनबियों से दी गई चाय, बिस्कुट या कोई खाद्य पदार्थ ग्रहण न करें।

हवा बदलो स्कूल वॉरियर 3.0 का शुभारंभ, गेल के सहयोग से बच्चों को बनाया जलवायु योद्धा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। स्वच्छ हवा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर राष्ट्रीय अभियान हवा बदलो ने अपने छात्र-केंद्रित कार्यक्रम हवा बदलो स्कूल वॉरियर 3.0 का शुभारंभ किया।

यह पहल गेल (इंडिया) लिमिटेड के सहयोग से शुरू की गई, जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं को वायु प्रदूषण और टिकाऊ जीवनशैली के प्रति जागरूक व सशक्त बनाना है।कार्यक्रम में गेल (इंडिया) लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (प्रशिक्षण) प्रवीर कुमार अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। अभियान के तहत देशभर के स्कूली छात्र निबंध, चित्र, वीडियो और नवाचार जैसे रचनात्मक माध्यमों से स्वच्छ हवा से जुड़े अपने विचार और समाधान साझा करेंगे।

इस अवसर पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि पर्यावरण शिक्षा को व्यवहार और आदतों से जोड़ना जरूरी है। वक्ताओं ने जोर दिया कि बच्चों की भागीदारी से समाज में बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है।हवा बदलो स्कूल वॉरियर 3.0 का लक्ष्य बच्चों को केवल सीखने वाला नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदार बनाना है, ताकि भविष्य की पीढ़ी स्वच्छ हवा को अपना अधिकार और जिम्मेदारी दोनों माने।

नवजात के अपहरण में मां की मामी समेत दो गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। रोहिणी के डॉ. बीएसए अस्पताल से चार दिन के नवजात बच्चे के अपहरण के मामले में नॉर्थ रोहिणी पुलिस ने बच्चे की मां की मामी और उसकी सहयोगी को गिरफ्तार किया है। बच्चे को सुरक्षित बरामद कर माता-पिता को सौंप दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने बताया कि आरोपी सुमन देवी सागरपुर के शिव पुरी इलाके में रहती है उनका पति रिक्शा चालक है। मोहन गार्डन निवासी 43 वर्षीय पूजा सोनी उर्फ राधा घरेलू सहायिका है। वह अपने पति के साथ कार क्लीनिंग का काम करती है। 31 दिसंबर को पीड़िता डॉली कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके चार दिन के बेटे का अस्पताल से अपहरण कर लिया गया है। पुलिस ने तुरंत अस्पताल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में देखा गया कि सुमन देवी ने बच्चे की मां को पूजा के हाथ में बच्चा सौंपने को कहा। पूजा ने खुद को अस्पताल कर्मी बताकर टीकाकरण केंद्र ले जाने का बहाना बनाया और बच्चे को तौलने के बहाने अपने साथ ले गई। पूछताछ में सुमन ने कबूल किया कि पुरानी रंजिश के चलते उन्होंने डॉली और उसकी मां को सबक सिखाने के लिए साजिश रची थी।

अध्ययन भ्रमण पर आए नेपाल पुलिस प्रतिनिधिमंडल का दिल्ली पुलिस मुख्यालय दौरा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अकादमी के माध्यम से अध्ययन भ्रमण पर आए नेपाल पुलिस के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान दिल्ली के पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने नेपाल पुलिस के अधिकारियों से संवाद कर राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने अनुभव साझा किए। नेपाल पुलिस के इस प्रतिनिधिमंडल में 17 छात्र अधिकारी और 8 प्रशिक्षक अधिकारी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी अध्ययन दौरे के तहत भारत आया है।

प्रतिनिधिमंडल के दिल्ली पुलिस मुख्यालय के दौरे में पुलिस आयुक्त ने महानगर में कानून-व्यवस्था की चुनौतियों, भीड़ नियंत्रण, अपराध रोकथाम और आधुनिक पुलिसिंग के प्रभावी तरीकों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण प्रभाग का दायित्व संभाल रहे विशेष पुलिस आयुक्त अतुल कटियार ने प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली पुलिस की प्रशिक्षण प्रणाली, नव-प्रशिक्षुओं को दी जाने वाली सुविधाओं और तकनीक आधारित प्रशिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी। दिल्ली पुलिस अकादमी के संयुक्त निदेशक आसिफ मोहम्मद अली और उप निदेशक मोहम्मद अली भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली पुलिस मुख्यालय का संक्षिप्त भ्रमण भी कराया गया। इस दौरान उन्हें सोशल मीडिया सेंटर, फिटनेस लाउंज, नॉलेज सेंटर (लाइब्रेरी), पीएफडब्ल्यूएस स्टोर सहित विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया।

दिल्ली पुलिस अकादमी के अधिकारियों के अनुसार, यह प्रतिनिधिमंडल नेपाल के पुलिस लीडरशिप एंड स्टाफ कोर्स का हिस्सा है। इस दौरे का उद्देश्य प्रभावी पुलिस नेतृत्व विकसित करना, अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करना और वैश्विक स्तर की बेहतर पुलिसिंग पद्धतियों को समझना है। यह प्रतिनिधिमंडल आने वाले दिनों में कुछ पुलिस थानों और ट्रैफिक सर्किल का भी दौरा करेगा।

संपादकीय

जहरीले कारोबार पर नकेल

आज सिर्फ पंजाब-हरियाणा ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। पिछले दिनों इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया था। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं कि यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबल डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है।

190वीं जयंती (03 जनवरी) पर विशेष:

पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले

-डॉ. श्रीगोपाल नारसन-

सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई। उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश में 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नहीं थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले।

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया। उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद फूले दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकटठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की।

सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई। उनके

पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले।

जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया। उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले 3जनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थिलत नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पूना के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे। वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी।

वे बोले शिक्षा का हक़ केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है, ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी। ऐसा हुआ भी, अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गई। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे। उनके पति ने ही सावित्रीबाई के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा ग्रहण करने की इजाजत दी थी, साथ ही अक्षरज्ञान भी उन्होंने ही कराया। शादी के बाद सावित्रीबाई पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगीं, उनका काफी विरोध भी काफी हुआ। उन्हें रोकने के लिए लोग सावित्री बाई फुले पर पत्थर मारते थे। कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे, लेकिन सावित्री बाई फुले ने हार नहीं मानी और पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनने का स्वप्न पूरा किया।

सावित्रीबाई को महसूस हुआ कि देश में उन जैसी कितनी ही लड़कियां होंगी जो पढ़ना चाहती है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए बालिकाओं को संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए सावित्री बाई फुले ने सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका स्कूल स्थापित किया। बाद में उन्होंने लड़कियों के लिए 18 स्कूलों का निर्माण कराया। इसलिए हम कह सकते है कि सावित्रीबाई फुले एक समाज सेविका ही नहीं, बल्कि देश दुनिया की पहली महिला शिक्षक व देश के पहले बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य भी बन गईं थी। 66 वर्ष की उम्र में सावित्रीबाई फुले का 10 मार्च सन1897 को निधन हो गया था। सावित्रीबाई ने सन 1848 से लेकर सन1852 के बीच लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने सिर्फ शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मौजूद कई कुरीतियों के खिलाफ भी आवाजा उठाई। उन्होंने छुआ-छूत, बाल-विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इनके खिलाफ जीवनपर्यंत लड़ती रहीं। ऐसी महान नारी शक्ति के जन्मदिवस पर उन्हें शत शत नमन।

2026 में बनेगा भारतीय अर्थव्यवस्था प्रगति का नया सोपान

-मनोज कुमार अग्रवाल-

भारत 2026 में भी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने की राह पर है। इसके पीछे मजबूत आर्थिक वृद्धि, कम मुद्रास्फीति और बैंकिंग सेक्टर का सुदृढ़ प्रदर्शन जैसे कारक हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2025 में जिस गति से अर्थव्यवस्था ने बढ़त दिखाई, उसे बनाए रखने के लिए सरकार नई सुधार योजनाओं पर काम कर रही है। केंद्र सरकार आगामी बजट में पूंजीगत व्यय और निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नए कदम उठा सकती है।

सरकार का लक्ष्य है कि जीवन सुगमता और कारोबार सुगमता को बढ़ाकर भारत को निवेश के लिए और आकर्षक बनाना। इससे शुल्क और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2025 में हर मोर्चे पर सफलता हासिल की और सबसे तेज गति से आगे बढ़ती रही। हाल ही में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब भारत से आगे सिर्फ जर्मनी, चीन और अमेरिका ही हैं। वहीं, दुनिया की बड़ी आर्थिक संस्थाओं ने भारत की जीडीपी की चमकीली तस्वीर दिखाई है। अगर इसी गति से भारत आगे बढ़ता रहा तो अगले ढाई से तीन साल में

जर्मनी को पछाड़ देगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगातार बढ़ी है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। खुदरा मुद्रास्फीति साल के अंत तक भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की निचली सीमा से दो प्रतिशत से भी कम रही। सरकार ने बताया कि भारत ने 4180 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया है। अनुमान है कि 2030 तक 7300 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। आपको बता दें 2025 में आर्थिक वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत घरेलू मांग, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग, कम मुद्रास्फीति और स्थिर निवेश के कारण हुई। सेवा क्षेत्र का विस्तार लगातार बना रहा, जबकि विनिर्माण क्षेत्र में भी वापसी हुई।

कृषि में बेहतर खरीफ उत्पादन और पर्याप्त खाद्यान्न भंडार ने कीमतों को स्थिर रखने में मदद की। इन सभी कारकों ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखा। आप को बता दें कि साल 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2% रही है। यह दिखाता है कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत ने महंगाई पर काबू पाया। वहीं, बेरोजगारी दर भी कम हुई। जीएसटी में छूट देने से लोगों के पास पैसा आया और भारतीय अर्थव्यवस्था ने नया मुकाम हासिल किया। तमाम रेटिंग एजेंसियों का मानना है कि 2026 में भी भारत जी-20 देशों में सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

नवंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 0.71% पर आ गई। वहीं, नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर 4.7% रह गई है, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तरहै। देश में ग्रोथ रेट ऊंची है और महंगाई बेहद कम, इसे गोल्डिलॉक्सपीरियड कहा जाता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की रफ्तार सेबढ़ेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, कर कटौती और ब्याज दरों में कमी से प्रेरित होगी। मूडीज ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक अनुमान लगाया है। एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में 6.5% की वृद्धि दर रहेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, निर्यात बाजारों में विविधीकरण और अनुकूल मौद्रिक नीति रुख से समर्थित होगी। मूडजी का अनुमान है कि भारत जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। फिच ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7.4% ग्रोथ का अनुमान जताया है। एडीबी ने भीभारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 7.2% कर दिया है, जो मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और बढ़ते निवेश के कारण है।

वहीं, विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी बढ़ोतरी 2026 में 6.5फीसदी हो सकती है। बता दें कि भारत की जीडीपी का कुल वैल्यूएशन अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़) हो गया है। जापान को पीछे छोड़ने के बाद अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगाऔर साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़) की इकोनॉमी के साथ दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई) ने ग्रोथ ट्रेंड को देखते हुए पूरे साल के लिए इसका अनुमान 6.8% से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास करने को तैयार है। वहीं सरकार का कहना हैकि भारत 2047 तक उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। महंगाई अभी नियंत्रण में है और तय सीमा से नीचे है। बेरोजगारी धीरे-धीरे कम हो रही है और देश के निर्यात में लगातार सुधार हो रहा है। 2026 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर साबित होगा और रूपये का अवमूल्यन खत्म हो कर सकारात्मक रुख की ओर बढेगा।

सफलता का बड़ा सिद्धांत: आत्मनिर्भर बनो

सभी जानते हैं कि हाथी सिंह की अपेक्षा अधिक बलवान जीव है। उसका आकार बड़ा, भारी और बलवान है, परन्तु फिर भी एक अकेला सिंह हाथियों के झुंड को भगाने में समर्थ होता है। शेर की ताकत का रहस्य क्या है? केवल यह कि हाथी अपने शरीर पर भरोसा करता है, जबकि शेर अपनी शक्ति पर भरोसा करता है।

हाथी बनाम शेर- हाथी चालीस-पचास, सौ-सौ या कभी-कभी दो-दो सौ का झुण्ड बनाकर चलते हैं। जब कभी वे विश्राम करते हैं, तो हमेशा एक बलशाली हाथी को पहरेदार के रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें सदा यही डर लगा रहता है कि कहीं शेर उन पर आक्रमण न करे दे। उन्हें मारकर न खा जाए। यदि हाथी को अपनी ताकत पर भरोसा हो, तो वह हजारों शेरों को मार-कुचल सकता है, परन्तु बेचारे हाथी को अपनी अंतरात्मा पर विश्वास नहीं होता, इसलिए उसमें सदा साहस का अभाव बना रहता है। वेदान्त शिक्षा देता है कि स्वयं को नीच, अधम, दुःखी पापी या अभागा नहीं कहना चाहिये। वेदान्त की इच्छा है कि आप अपनी आंतरिक शक्ति पर पूर्ण विश्वास करें। स्वामी रामतीर्थजी कहते हैं:-यदि मुझसे कोई एक शब्द में मेरा तत्त्वज्ञान पूछे, तो मैं कहूंगा कि आत्मनिर्भरता या आत्मबोध। यह सत्य है। सर्वथा सत्य है कि जब आप स्वयं अपनी सहायता करते हैं, तभी परमात्मा भी आपकी सहायता करता है। दैव आपकी सहायता करने के लिये बाध्य हैं, लेकिन केवल तभी जब आप स्वयं पर निर्भर रहें। आप तभी सब कुछ पा सकते हैं। आपके सम्मुख कुछ भी असंभव नहीं है। एक बार दो भाई मुकदमेबाजी में फंसे न्यायाधीश के सम्मुख आए। उनमें से एक बहुत धनवान था, जबकि दूसरा कंगाल। न्यायाधीश ने धनवान भाई से प्रश्न किया, जब तुम इतने धनी हो, तो तुम्हारा भाई निर्धन कैसे हो गया? धनवान व्यक्ति ने उत्तर दिया-पांच वर्ष पहले हमें एक समान पैतृक संपत्ति प्राप्त हुई थी। दो लाख रुपये मेरे हिस्से में आये थे तथा इतने ही मेरे भाई को मिले थे। इसके बाद मेरा भाई स्वयं को धनवान मानकर सुस्त हो गया। उसने सभी कार्य अपने नौकरों को सुपुर्द कर दिया। उसे जब भी कोई काम होता, तो वह अपने नौकरों को बुलाकर कहता-जाओ, यह काम करो, जाओ, वह काम करो।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1698 - इटली के लेखक और कवि पीटर मेताज़ ताज़ियो का जन्म हुआ।
1749 - बेंनिंग वेंटवर्थ ने न्यू हैम्पशायर अनुदानों के पहले मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए वर्मोंट की स्थापना की।
1749 - डेनमार्क के सबसे पुराने लगातार चलने वाले अखबार बर्लिंगसके का पहला अंक प्रकाशित किया गया था।
1777 - जार्ज वाशिंगटन की सेना ने ब्रिटिश सेना को न्यूजीलैंड में पराजित किया।
1797 - त्रिपोली की संधि, संयुक्त राज्य और तुर्क त्रिपोलिटनिया के बीच एक शांति संधि पर अल्जीयर्स में हस्ताक्षर किए गए।
1823 - स्टीफन एफ. ऑस्टिन ने मेक्सिको की सरकार से अनुदान में रूप में टेक्सास में भूमि प्राप्त की।
1833 - दक्षिण अटलांटिक में फ़ॉकलैंड द्वीप समूह के ऊपर ब्रिटिश संप्रभुता के पुनर्मूल्यांकन किया गया।
1833 - फ़ॉकलैंड द्वीप समूह में दो ब्रिटिश नौसैनिक जहाजों के आगमन के साथ, यूनाइटेड किंगडम ने वहां संप्रभुता का पुनः दावा किया।
1834 - मैक्सिको की सरकार द्वारा स्टीफन एफ ऑस्टिन की मैक्सिको सिटी में गिरफ्तारी की गयी।
1848 - जोसेफ जेनकिंस रॉबर्ट्स ने लाइबेरिया के पहले राष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया।
1852 - चीन का पहला कदम हवाई द्वीप पर पड़ा।
1875 - फ्रांस के साहित्यकार और शब्दकोष विशेषज्ञ पियर लारोस का निधन हुआ।
1888 - सैन जोस, कैलिफ़ोर्निया के पास Lick Observatory में 91 सेमी की अपवर्तन टेलीस्कोप, उस समय दुनिया में सबसे बड़ी दूरबीन का उपयोग किया गया था।
1910 - संयुक्त राज्य में पहली बार जूनियर हाई स्कूल की कक्षाएं शुरू हुईं।
1910 - रोज काम के लिए 8 घंटे तय करने के लिए ब्रिटेन में हड़ताल हुई।
1911 - रूसी तुर्कस्तान में अलमाटी शहर में 7.7 मेगावॉट के भूकंप ने तबाही मचाई।

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

-ललित गर्ग-

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है।

हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही 'स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए।

सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाज़ारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

भारत का युवा जागा, वह अपने देश को समर्थ बनाना चाहता है : भागवत

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का युवा जाग गया है, वह अपने देश को समर्थ बनाना चाहता है। संघ अपने जन्म से ही लक्ष्य लेकर चल रहा है कि अपने धर्म-संस्कृति का संरक्षण कर, अपने भारत को परम वैभव पर लेकर जाना है।

संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक यह प्रतिज्ञा करता है। सरसंघचालक डा. भागवत ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के प्रवास के तहत यहां कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में युवाओं से संवाद में कह रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई भी देश सम्पूर्ण समाज के योगदान से ही बड़ा होता है। नेता, नीति और व्यवस्था, ये सब तब सहायक होते हैं, जब समाज गुणसम्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि अब भारत का युवा जाग गया है, वह अपने देश को समर्थ बनाना चाहता है। दरअसल, संघ प्रमुख भोपाल में शुक्रवार और शनिवार को दो दिवसीय प्रवास हैं।

उन्होंने आज पहले दिन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में युवाओं से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आयोजित इस 'युवा संवाद' कार्यक्रम में संवाद किया। इसमें मध्यभारत प्रान्त के 16 शासकीय जिलों के युवाओं को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के साथ सीधे संवाद करने और उनसे प्रश्न करने का अवसर मिला। इसमें उन्होंने कहा कि संघ युवाओं से आह्वान करता है कि वे संघ की शाखा में आएं या फिर संघ की योजना से चल रहे अपने रुचि के कार्य में जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। हमें गुणों को धारण करना होगा और अहंकार-स्वार्थ छोड़ने होंगे सरसंघचालक ने कहा, "यदि हमें देश के लिए कुछ करना है तो इस मार्ग में हमें गुणों को धारण करना होगा और अहंकार व स्वार्थ छोड़ने होंगे।

दुनिया में संघ ने ही एकमात्र ऐसी पद्धति दी है, जो अच्छी आदतें विकसित करती है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवारजी हर क्षेत्र में कार्य करते थे। लेकिन उन्हें चिंता यह थी कि देश में एकता कैसे स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि इस भाव को उत्पन्न करने वाले संगठन का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है और दुनिया में कहीं दूसरी पद्धति नहीं है व्यक्ति निर्माण की।" उन्होंने कहा कि संघ की शाखा देशभक्ति सिखाती है। यदि इसका अनुभव लेना है और उद्देश्य को जीना है तो शाखा एकमात्र जगह है। जहां कोई बंधन नहीं है।

सरसंघचालक ने इस दौरान यह भी कहा कि "हम कई बार असुरक्षा और चिंता के साथ जीते हैं, लेकिन इसकी बजाय हमें भयमुक्त होकर जीना चाहिए। स्वयं से पहले देश को रखना चाहिए। अपने विकास से देश और परिवार प्रगति कर रहा है कि नहीं यह सोचना चाहिए। युवाओं को ही देश बनाना है और वे हर बात में आगे भी आते हैं। डा. भागवत ने यह भी कहा कि जब आप देश की बात करते हैं तो प्रश्नों के जवाब देने होंगे और उसके लिए योग्यता लानी पड़ेगी। संघ में आकर तैयार होना पड़ेगा। मैं युवाओं से आह्वान करता हूं कि वे आएं और संघ का अनुभव लें।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते और भोपाल करुणा धाम के प्रमुख सुदेश शांडिल्य महाराज ने युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर मंच पर मध्यभारत प्रांत के सह संघचालक डॉ. राजेश सेठी उपस्थित रहे।

युवा संवाद में सरसंघचालक डा. भागवत ने युवाओं के पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। सौ वर्ष पूर्ण होने पर संघ की भूमिका पर उन्होंने कहा कि विश्व शक्ति की सुनता है और संघ संपूर्ण समाज को साथ लेकर धर्म की रक्षा करते हुए देश को नया रास्ता दिखाता है। भारत महाशक्ति एकत्रित कर रहा है। उन्होंने कुली फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय युवा लाल कुर्ता या शर्ट पहनते थे। यानी फैशन फॉलो करते हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि हम ऐसे युवाओं का निर्माण कर रहे हैं, जो समाज में सार्थक फैशन को बढ़ाएं। सुरक्षा और करियर को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, "सुरक्षा की गारंटी कोई नहीं दे सकता। बिना चिंता जीवन जिएं। मनुष्य अलग है, क्योंकि वह रिस्क लेता है। दुनिया सक्सेस को देखती है, लेकिन जैसे ही उस पथ पर चलने की कोशिश करते हैं तो संघर्ष देखकर डर जाते हैं। इसलिए बेहतर करियर वह है, जिसमें आप उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाएं और डर भी न लगे। सुविधा से सुख नहीं मिलता। एआई के सवाल पर वे बोले कि हमें एआई को कंट्रोल करना है, न कि कंट्रोल होना है। उसका उपयोग विकास में करना है। हमें ऐसे युवाओं का निर्माण करना है जो एआई या अन्य तकनीक का उपयोग देश हित में करें।

संघ उत्सव नहीं मना रहा, लोगों के दिलों तक पहुंचने पर काम कर रहा है : दीपक विस्पुते

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने संघ की सौ साल की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ को 100 वर्ष में खूब प्रसिद्ध मिली। लेकिन संघ का प्रचार विरोधियों ने नकारात्मक भाव में किया। इन्होंने कभी संघ को समझने का प्रयास नहीं किया। संघ वर्ष 1925 में नागपुर से प्रारंभ हुआ और जिस तरह भागीरथ गंगा पृथ्वी पर लेकर आए ठीक वैसे डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी संघ कार्य को समाज के बीच लेकर गए। इसके पहले भारत में कभी इस तरह का प्रयास नहीं हुआ। विस्पुते का कहना था कि डॉक्टर साहब ने नागपुर की बजाय कोलकता को पढ़ाई के लिए चुना और स्वतंत्रता की लड़ाई में भाग लिया। लेकिन उन्हें महसूस हुआ कि देश के हिन्दू समाज को मानसिक गुलामी से मुक्त कराना होगा। उन्होंने बताया कि संघ स्वामी विवेकानंद की तीन बातों का अनुसरण करते हुए काम करता है। पहली बात भारत के समाज को आर्गनाइजेशन सीखना पड़ेगा। दूसरा भारत में मेन मेकिंग यानी व्यक्ति के निर्माण की प्रक्रिया जरूरी है और तीसरी बात कि आने वाले 50 साल के लिए देश को प्राथमिकता पर रखकर भारत माता की आराधना करना चाहिए। संघ इसी विचार पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ ने समय-समय पर जरूरत को देखकर अन्य संगठन खड़े किए। इसमें युवाओं के लिए अभाविप, मजदूरों के लिए मजदूर संघ, किसानों के लिए, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती जैसे संगठन खड़े किए। लोगों को भरोसा नहीं था, लेकिन डॉक्टर साहब और श्रीगुरुजी ने वह करके दिखाया। उन्होंने कहा कि संघ सौ वर्ष पूरे होने पर उत्सव नहीं मना रहा है, बल्कि डोर टू डोर, मेन टू मेन और हार्ट टू हार्ट पहुंचने की कोशिश कर रहा है। मेरा भी क्या योगदान देश और संघ के लिए हो सकता है, इसके लिए प्रयास करें।

युवाओं को सामर्थ्यवान बना रहा है संघ

भोपाल करुणा धाम के प्रमुख सुदेश शांडिल्य महाराज ने युवाओं से कहा कि अक्सर हम सुनते हैं "समरथ को नहीं दोष गुसाई"। इसका यह मतलब नहीं है कि कोई बलवान है, उसको दोष नहीं दिया जाता। वास्तव समर्थ वह है जिसकी नीयत में दोष नहीं हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समर्थ बनेगा, तभी भारत विश्वगुरु बनेगा। इसलिए संघ का समर्थ होना जरूरी है। परोपकार, सद्चरित्र, जनकल्याण की भावना और यश के पीछे नहीं भागने की भावना कहीं दिखाई दे रही है, तो वह केवल संघ है। उन्होंने सूर्य, गंगा का उदाहरण देते हुए कहा कि सूर्य सबको बराबर रोशनी देता है। गंगा के जल में लोग स्नान भी करते हैं और गंदे नाले भी मिलते हैं। लेकिन वह अविरल बह रही है, क्योंकि उसमें सामर्थ्य है सभी को समाहित करने का। ऐसे ही युवाओं को सामर्थ्यवान बनना है। आगे बढ़ने के लिए पीछे का छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कि भारत में युवाओं को सामर्थ्यवान बनाने का काम केवल संघ कर रहा है। उसकी शाखाओं में 100 साल से व्यक्ति का निर्माण हो रहा है। साथ ही ईश्वर की आराधना करें, वह आपको सामर्थ्य देता है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन दो दिन की यात्रा पर पहुंचे चेन्नई

चेन्नई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार से तमिलनाडु के दौर पर हैं। यहां चेन्नई हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का तमिलनाडु सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पुष्पगुच्छ और एक पुस्तक भेंट कर स्वागत किया। उपराष्ट्रपति का तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन ने भी स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को एक निजी विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद वह स्टार होटल में होने वाले एक समारोह में भाग लेंगे। राधाकृष्णन शाम को चेन्नई कला संरक्षक भवन में होने वाले आम स्वागत समारोह और उसके बाद लोक भवन में गवर्नर आरएन रवि के नागरिक स्वागत कार्यक्रम में शामिल होते हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपराष्ट्रपति शनिवार सुबह वेल्लोर पोरकौविल जाएंगे और वहां शक्ती अम्मा के 50वें स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर में चेन्नई तिरुवल्लिकेणी कला संरक्षक भवन में होने वाले सिद्ध गण दिवस समारोह में भी शामिल होंगे।

हताश निराश ममता अब गृह मंत्री को धमकी दे रही हैं: भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दी गई धमकी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा ने कहा कि गृह मंत्री और नागरिकों को जिस तरह से धमकियां दी जा रही हैं, उससे साफ है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।

शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि संविधान की मूल भावना, अनुच्छेद 19 कहता है कि हर नागरिक स्वतंत्र है, पूरे भारत में कहीं भी जा सकता है। भारत की एक-एक इंच भूमि पर हर भारतीय का हक है। भारत के नागरिक और पश्चिम बंगाल के भाई-बहन सब व्यथित हैं कि

एक मुख्यमंत्री, जो संविधान की शपथ लेता है कि संविधान का पालन करेंगे, वही भारत के गृहमंत्री को धमकी देती हैं कि मैं न चाहूं तो भारत के गृहमंत्री पश्चिम बंगाल में घुस नहीं सकते। जंगलराज, गुंडाराज ऐसा ही होता है। जहाँ ममता बनर्जी को लगता है कि रोहिंग्या उनका वोट बैंक हैं, उनके साथ ममता बनर्जी रिश्ता बनाए रखना चाहती हैं, और गृहमंत्री को धमकी देती हैं। ममता बनर्जी ने यह हक खो दिया है कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनी रहें।

गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस नेता कहते है कि बंगाल में तृणमूल सिर्फ वोट नहीं चुराती बल्कि वोटों की डकैती करती है। अगर ममता बनर्जी वोटों की लूट कर रही हैं और हम कह रहे हैं कि वहां जंगलराज है, तो फिर यह इंडी गठबंधन साथ मिलकर चुनाव क्यों लड़ रहा था? एस आई आर के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह एक कानूनी प्रक्रिया है। पश्चिम बंगाल में वोट चोरी बल्कि वोटों की डकैती हो रही है और यह ममता बनर्जी कर रही हैं। साथ ही यह कहना गलत नहीं होगा कि एक घबराई सी, डरी हुई ममता बनर्जी सांप्रदायिक बयान भी दे रही हैं, और धमकियां भी दे रही हैं, जो उनकी निराशा को साबित करता है।

कर्नाटक में ई वीएम को लेकर किए गए एक सर्वे पर बोलते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि कर्नाटक में लोगों के बीच किया गया एक सर्वे प्रकाशित हुआ है। इस सर्वे में 5,100 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया और इसमें राज्य की 102 विधानसभा सीटों को कवर किया गया। कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 85 प्रतिशत जनता चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग पर भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार भारत में चुनाव हारते हैं और फिर बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। वह धोखे की राजनीति करते हैं और कहते हैं कि वोट चोरी हो गए।

पालघर में बुलेट ट्रेन परियोजना की सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित रेल भवन से ही ऑनलाइन माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुलेट ट्रेन परियोजना की 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा होते देखा।

वैष्णव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। यह उपलब्धि पर्वतीय सुरंग 5 का सफल निर्माण है। रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, "यह 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और यह विरार तथा बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है। महाराष्ट्र में यह दूसरी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का कार्य सितंबर 2025 में पूरा किया गया था। मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने वाली 508 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना भारत की एकमात्र हाई-स्पीड रेल परियोजना है जिसे बुलेट ट्रेन को 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह बुलेट परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरती है।

सरकार की तरफ से किए जा रहे सभी बड़े सुधार तकनीक आधारित : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत के लिए सरकार की तरफ से किए जा रहे सुधार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार से संचालित हो रहे हैं।

नई तकनीक से शासन, प्रशासन और आर्थिक परिवर्तन के प्रयासों को मजबूत किया जा रहा है। आने वाले दो दशकों में भारत की विकास यात्रा अंतरिक्ष, महासागर, जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे नवाचार-आधारित क्षेत्रों से आगे

बढ़ेगी। वर्ष 2025 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की उपलब्धियों पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. ए. के. सूद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस. गोखले, सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन सहित कई वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि `आज सरकार द्वारा किए जा रहे लगभग सभी बड़े सुधार तकनीक आधारित हैं। यह बदलाव इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि राष्ट्रीय नीतियों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को लगातार प्राथमिकता दी गई।

बिहार: अब लोग सीधे मोबाइल पर दर्ज करा सकेंगे शिकायत व सुझाव

पटना। बिहार में अपराध पर अंकुश लगाने और लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियंत्रण कक्ष के अंतर्गत शुक्रवार को एक विशेष हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य के नागरिक सीधे मोबाइल पर अपनी शिकायतें, समस्याएं, सुझाव या सहायता संबंधी सूचना दे सकेंगे। पुलिस द्वारा जारी इन दो हेल्पलाइन नंबरों के जरिए कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें, पुलिस से संबंधित समस्याएं, स्थानीय स्तर पर हो रही अनदेखी या किसी भी प्रकार की परेशानी को सीधे डीजीपी नियंत्रण कक्ष के संज्ञान में लाया जा सकेगा। यह सेवा तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई है। पुलिस मुख्यालय ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों को बिना किसी देरी के संबंधित स्तर तक पहुंचाना और समय रहते उनका निपटारा सुनिश्चित करना है। एक बयान के मुताबिक, इस पहल से न केवल पुलिस और जनता के बीच संवाद मजबूत होगा।

सीडीएस चौहान ने कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया

श्री विजयपुरम। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुनःनिर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

एक अधिकारी ने बताया कि सीडीएस ने भारतीय वायु सेना के कार निकोबार अड्डे पर पुनर्निर्मित और उन्नत रनवे का उद्घाटन किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था। एक वरिष्ठ

अधिकारी ने कहा कि उन्नत हवाई पट्टी पूर्वी मोर्चे को और अधिक मजबूती देगी, क्योंकि इससे मलक्का जलडमरूमध्य पर सीधी रणनीतिक निगरानी की जा सकेगी। मलक्का जलडमरूमध्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जहाजों के माध्यम से ऊर्जा से जुड़ी आपूर्ति के लिए एक प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्ग है। इससे भारतीय वायु सेना की त्वरित हवाई अभियान शुरू करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि विमानों की सुचारू आवाजाही के लिए उन्हें खड़े करने के क्षेत्र का विस्तार किया गया है, और यह सुविधा भारतीय वायु सेना को न्यूनतम समय में लंबी दूरी तक अभियान चलाने में मदद करेगी।

कमान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीडीएस की यह यात्रा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व, 'एक्ट ईस्ट' नीति पर ध्यान केंद्रित होने और क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। उन्होंने बताया कि सीडीएस एक भंडारण सुविधा का भी उद्घाटन करेंगे और सुनामी स्मारक का दौरा भी करेंगे। बाद में, जनरल चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की भू-रणनीतिक क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के साथ-साथ इस क्षेत्र में सैन्य अभियानों का समर्थन करने में एएनसी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर किया।

महाराष्ट्र में केवल मराठी भाषा अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं : सीएम फडणवीस

पुणे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं। सतारा में 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने यह भी कहा कि फ्रेंच और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं का खुले दिल से स्वागत करते हुए अन्य भारतीय भाषाओं का विरोध करना गलत है।

पिछले साल, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शुरू करने के अपने फैसले को तीव्र विरोध प्रदर्शनों के बाद रद्द कर दिया और इस मुद्दे की जांच के लिए एक समिति का गठन किया। फडणवीस ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि भाषा की अनिवार्यता का मुद्दा व्यापक रूप से बहस का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है। कोई अन्य भाषा अनिवार्य नहीं है। हालांकि, तीन-भाषा प्रणाली को लेकर मतभेद थे। छात्रों को अपनी पसंद की कोई भी भारतीय भाषा सीखने की स्वतंत्रता है। सवाल सिर्फ यह था कि तीसरी भाषा किस कक्षा से शुरू की जानी चाहिए। विवाद का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान तैयार की गई एक रिपोर्ट में पहली कक्षा से ही हिंदी को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की गई थी और उनकी सरकार ने शुरू में इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया था।

उन्होंने कहा, लेकिन पहली कक्षा से ही (हिंदी) भाषा को अनिवार्य बनाने को लेकर व्यापक बहस और विरोध हुआ, इसलिए नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, मैं यह दोहराना चाहूंगा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं।

उन्होंने कहा कि मैं खेदपूर्वक यह भी कहना चाहूंगा कि हम अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश जैसी भाषाओं का खुले दिल से स्वागत करते हैं... इन भाषाओं के प्रति हमारा रुख सकारात्मक है क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय भाषाएं हैं। लेकिन भारतीय भाषाओं का विरोध करते हुए अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का स्वागत करना अनुचित है। मेरा मानना है कि हमारी भारतीय भाषाओं को भी वही सम्मान मिलना चाहिए, और यही हमारा रुख है।

मुख्यमंत्री योगी ने सभी विभागों को बजट खर्च में तेजी लाने के दिये निर्देश

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्ध्यावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुंरत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें। वहीं मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को निर्देश दिये कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी इनोसेटिव लें।

मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय को निर्देश दिये कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिन्हित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिये कि आगामी अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें।

उन्होंने कहा कि आगामी बजट को विभाग आवंटित करने से पहले उनके पिछले पांच वर्ष के खर्च के आकंलन की समीक्षा करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वित्त विभाग नई कार्ययोजना को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दे। वहीं केंद्र सरकार से आगामी बजट आवंटन को लेकर बेहतर समन्वय बनाएं ताकि समय से केंद्र सरकार से बजट मिल सके।

अयोध्या कैलेंडर का लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी ने किया अनावरण

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अयोध्या कैलेंडर का अनावरण किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त अयोध्या राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे तथा अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराज जैन उपस्थित रहे। कैलेंडर की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या विश्व पटल पर भारत की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। यह कैलेंडर अयोध्या की आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक वैभव और ऐतिहासिक महत्ता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता हैं। उन्होंने कहा कि कैलेंडर में सम्मिलित छायाचित्रों के माध्यम से अयोध्या की दिव्यता, धार्मिक आस्था और स्थापत्य सौंदर्य का जीवंत चित्रण किया गया है। ये आकर्षक एवं भावपूर्ण छायाचित्र फोटोग्राफर राजेश कुमार सिंह द्वारा लिए गए हैं, जो रामनगरी की विशिष्ट पहचान को सशक्त रूप में उभारते हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अयोध्या कैलेंडर न केवल रामनगरी की पहचान को और सुदृढ़ करेगा, बल्कि देश-विदेश में अयोध्या की सांस्कृतिक महत्ता को भी रेखांकित करेगा। साथ ही यह कैलेंडर अयोध्या की आध्यात्मिक चेतना, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार असहनीय : प्रकाश पाल

- बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर जताई नाराजगी
- हिंसा के शिकार हुए मृत लोगों को कानपुर में दी गई श्रद्धांजलि

कानपुर। बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाना भारतवर्ष के नागरिकों के लिए असहनीय है। तख्तापलट के बाद से वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ लगातार अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं, जिन पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। यह केवल बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि मानवाधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है।

यह बातें शुक्रवार को भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहीं। वे बांग्लादेश में हुई हिंसा में तीन हिंदुओं की हत्या के विरोध में तुलसीनगर काकादेव में शिक्षाविद आशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। सभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ हो रही घटनाओं पर कड़ा विरोध जताया। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि बांग्लादेश एहसान फरामोश है। वह भूल गया है कि उसे आजादी दिलवाने में भारत के करीब 3500 सैनिकों ने बलिदान दिया, दस हजार सैनिक घायल हुए और करीब 75 विमान ध्वस्त हुए थे। बावजूद इसके वह लोग बेशर्मी से हिंदुओं को ही अपना निशाना बना रहे हैं। अब समय आ गया है कि ऐसे अत्याचारियों को मुंह तोड़ जवाब दिया जाए। वहीं आशीष श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करें और बांग्लादेश सरकार से राजनीतिक स्तर पर वार्ता कर दोषियों को सख्त सजा दिलाने की पहल करें। साथ ही अन्य देशों में रह रहे हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की भी अपील की गई। सभा के अंत में शांति और न्याय की मांग के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में टप्पेबाज नायडू गैंग के दो अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान नायडू गैंग के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो अभियुक्तों के पैर में गोली लगी हैं। इससे पहले पुलिस ने इस गैंग में शामिल एक महिला व दो बाल आपचारी को गुरुवार की शाम पकड़ा था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शुक्रवार को बताया की 26 दिसंबर 2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पर विद्यासागर तिवारी ने तहरीर दी।

उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी सीएसडी इन्फ्रा. के कैशियर प्रकाश द्विवेदी और चालक रविकान्त बैंक ऑफ बड़ौदा मुख्य शाखा रॉबर्ट्सगंज से 10 लाख रुपये नकद निकालकर वाहन से जा रहे थे। पहले से योजना बनाए बदमाशों ने बैंक परिसर में ही वाहन को पंचर कर दिया। रामलीला मैदान गेट के पास पहुंचते ही वाहन का चक्का पूरी तरह बैठ गया। चालक टायर लेकर चला गया, इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने कैशियर प्रकाश को भ्रमित कर रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने इस मामले में अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दिया। एसपी ने मामले के खुलासे के लिए क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में टीम का गठन किया था।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दस लाख रुपये से भरा बैग गायब करने वाले अभियुक्तगण चुर्क रेलवे स्टेशन के पास डेरा डालकर रुके हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महाराष्ट्र के नन्दुरवार जिला वाकीपाडा करंजी खुर्द थाना नवापुर निवासी राजू की पत्नी नन्दिनी और दो बाल अपचारी को पकड़ लिया।

यूपी में भीषण शीतलहर : 12 वीं तक के सभी विद्यालयों में 5 जनवरी तक अवकाश

लखनऊ। भीषण शीतलहर को लेकर उत्तर प्रदेश में सभी 12वीं तक के स्कूलों को 5 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। सभी बोर्ड के सभी स्कूलों को 5 जनवरी तक बंद करने के दिए निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक बैठक के दौरान अधिकारियों को इसके लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शीत लहर को लेकर सभी अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण शील रहें। सभी जनपदों में कंबल और अलाव की व्यवस्था अधिकारी सुनिश्चित करें। कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए, रैन बसेरों में सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें। सभी रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्था अधिकारी सुनिश्चित करें।

संभल में कब्रिस्तान की जमीन पर अतिक्रमण के मामले में 48 लोगों को नोटिस जारी

संभल (उप्र)। संभल में ज़िला प्रशासन ने एक विवादित धर्मस्थल के पास कब्रिस्तान की जमीन पर कथित अवैध अतिक्रमण के सिलसिले में 48 लोगों को नोटिस जारी किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने शुक्रवार को बताया कि यह कार्रवाई 30 दिसंबर को कोट पूर्वी इलाके में 'शाही जामा मस्जिद-श्री हरिहर मंदिर' क्षेत्र के पास कड़ी सुरक्षा के बीच किये गये जमीन के नाप-जोख के बाद की गई है, जहां कब्रिस्तान की ज़मीन के एक हिस्से पर घरों और दुकानों के अवैध निर्माण की शिकायतें मिली थीं। संभल के तहसीलदार (राजस्व अधिकारी) धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नाप-जोख के बाद, 48 ऐसे लोगों की पहचान की गई जिन्होंने अवैध रूप से कब्ज़ा किया हुआ था और अब उन्हें नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर जवाब देने को कहा गया है। सिंह ने पत्रकारों से कहा कि आज सभी 48 लोगों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और उन्हें जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि जवाबों की कानूनी रूप से जांच की जाएगी और अगर स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए गए, तो अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई शुरू की जाएगी। तहसीलदार ने कहा कि पहले 22 घरों और दुकानों का ज़िक्र किया गया था, लेकिन उस इलाके में कई परिवार रह रहे हैं और हर कब्ज़ेदार को अलग-अलग नोटिस जारी किए गए हैं, जिससे कुल संख्या 48 हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि ज़िला प्रशासन से शिकायत की गयी थी कि भूखंड क्रमांक 32/2 के तहत दर्ज और विवादित धर्मस्थल से सटी लगभग 4,780 वर्ग मीटर ज़मीन पर अतिक्रमण किया गया है। माना जाता है कि ये अतिक्रमण लगभग 60 से 65 साल पुराने हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व विभाग ने कथित अवैध कब्ज़े की सीमा का पता लगाने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच नाप-जोख का काम किया।

सड़क हादसे में पीड़ितों को निजी अस्पतालों में मिलेगा निःशुल्क इलाज

लखीमपुर खीरी। सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निजी चिकित्सालयों को व्यवस्था से जोड़ने के लिए सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सड़क हादसों में घायल मरीजों को दी जाने वाली शासकीय सुविधाओं और योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि यदि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति 24 घंटे के भीतर किसी निजी चिकित्सालय में भर्ती होता है, तो उसे एक सप्ताह तक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस उपचार की पूरी धनराशि शासन द्वारा निजी चिकित्सालय को दी जाएगी, जिससे मरीज और उसके परिजनों पर आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही राहवीर योजना के तहत ऐसे नागरिकों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा जो किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को एंबुलेंस या अन्य माध्यम से चिकित्सालय पहुंचाते हैं। ऐसे मददगार राहगीरों को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए संबंधित चिकित्सालय को राहगीर (चिकित्सालय पहुंचाने वाले व्यक्ति) की जानकारी सुरक्षित रखनी होगी। दोनों योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस वेरिफिकेशन के बाद ही लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क हादसे देश और प्रदेश के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.6 लाख से अधिक लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में होती है, जबकि करीब 4.5 लाख से अधिक लोग घायल होते हैं। उत्तर प्रदेश में भी प्रतिवर्ष 20 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिनमें हजारों लोगों को गंभीर चोटें आती हैं। ऐसे में निजी अस्पतालों से घायलों को समय पर इलाज मिल सकेगा और दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाने में मदद मिलेगी।

बैठक में एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. धनीराम, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. अमितेश द्विवेदी सहित आईएमए अध्यक्ष डॉ. अखिलेश खरे, डॉ. अखिलेश वर्मा और डॉ. मनोज शर्मा उपस्थित रहे।

शार्ट सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी आग से छह लाख का नुकसान

मीरजापुर। जिगना थाना क्षेत्र के नगंवासी गांव में गुरुवार देर रात बिजली के शार्ट सर्किट से एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग लग गई। इस हादसे में दुकान में रखा करीब छह लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया।

गांव निवासी मोहित शुक्ला की गांव में ही इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकान है। दुकानदार ने बताया कि शुक्रवार भोर में दुकान के बगल से गुजर रहे लोगों ने धुंआ उठते देखा और इसकी सूचना दी। खबर मिलते ही वह दुकान पर पहुंचे, लेकिन शटर उठाते ही अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान के भीतर रखा सारा सामान जलकर राख के ढेर में तब्दील हो चुका था। आगलगी की इस घटना में करीब दस इन्वर्टर, केबिल, कॉपर तार, हीटर, इंडक्शन, पंखे सहित प्लंबर सामग्री पूरी तरह जल गई। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पीआरवी व स्थानीय पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की है। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण बिजली का शार्ट सर्किट पाया गया है। नुकसान के आकलन के लिए राजस्व कर्मियों को भी सूचना दे दी गई है।

मुठभेड़ 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया की नरही थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने की वजह से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) कृपाशंकर ने शुक्रवार सुबह जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार मध्यरात्रि में नरही थाना पुलिस टीम नरही-कारो रोड के पास चेंकिग अभियान चला रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान नरही थाना क्षेत्र के तेतारपुर निवासी फजल उर्फ करिया के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना नरही में गो वध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। जिसके बाद उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एएसपी ने बताया कि घायल बदमाश फजल उर्फ करिया को इलाज के लिए सदर अस्पताल भर्ती कराया गया है। उसके पास से एक तमंचा मय जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

संगम तट के माघ मेला में क्यूआर कोड से श्रद्धालुओं को मिलेगी सुरक्षा व सहायता

प्रयागराज। त्रिवेणी के तट पर लगने वाले माघ मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सहयोग के लिए इस बार प्रशासन तकनीक का प्रयोग कर रहा है। माघ मेला 2026 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र में विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड आधारित सुविधा प्रणाली लागू की गई है।

यह व्यवस्था मेला सेवा एप के माध्यम से श्रद्धालुओं को सीधे प्रशासन से जोड़ने की एक अभिनव पहल है। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि मेला क्षेत्र में लगाए गए 15 हजार 500 विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। इन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालुओं के मोबाइल पर एक ऑनलाइन फॉर्म खुलेगा। इस फॉर्म में श्रद्धालु अपना नाम, मोबाइल नंबर और सुरक्षा कोड भरकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। खास बात यह है कि मेला अवधि में लाउडस्पीकरों के शोर के कारण फोन पर शिकायत करना कठिन हो जाता है, ऐसे में क्यूआर कोड के माध्यम से 24x7 संचालित कंट्रोल रूम तक

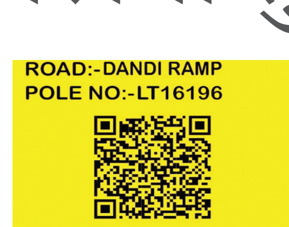

डिजिटल रूप से शिकायत पहुंचाई जा सकती है, जिससे त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड स्कैन करने पर श्रद्धालु अपनी सही लोकेशन प्रशासन के साथ साझा करते हुए तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक विद्युत पोल पर संबंधित सड़क का नाम, सेक्टर का नाम और गूगल कोड (जी-कोड) अंकित किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को हर समय अपनी स्थिति की जानकारी मिलती रहेगी।

हर 25 मीटर के अंतराल पर लगे विद्युत पोलों पर उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से अस्पताल, पुलिस चौकी, घाट, पार्किंग और जन-आश्रय स्थलों की भी सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मेला क्षेत्र का विस्तृत नक्शा भी उपलब्ध होगा। साथ ही यदि कोई परिचित या संबंधी खो जाता है, तो उसके नजदीकी विद्युत पोल पर लिखे गूगल कोड के माध्यम से गूगल मैप पर उसकी लोकेशन का पता भी लगाया जा सकता है। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने बताया कि पार्किंग के समय नजदीकी पोल का जी-कोड नोट कर लेने से लौटते समय उसी स्थान पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी पोलों का यूनिक नंबरिंग होने से केवल पोल नंबर बताने से सही लोकेशन तुरंत मिल सकेगी।

मुंबई इंडियंस ने WPL 2026 की जर्सी लॉन्च की 'विकेट पल्स' थीम से झलकी मुंबई की रफ्तार

मुंबई। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने बुधवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया। फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान के अनुसार, नई जर्सी एक बार फिर मुंबई शहर और उसके लोगों से प्रेरित है, जो हमेशा गतिशील, ऊर्जा से भरपूर और आगे बढ़ते रहने का प्रतीक है। टीम की पहचान की तरह ही यह जर्सी भी रोज़मर्रा की मुंबई की लय को दर्शाती है, जो कभी थमती नहीं।

इस सीजन में भी आइकॉनिक ब्लू और गोल्ड रंगों को बरकरार रखा गया है, जिनके साथ कोरल टच जोड़ा गया है। ये रंग गति, मजबूती और निरंतर आगे बढ़ने की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। नई जर्सी की मुख्य थीम "विकेट पल्स" है। जर्सी के आगे और पीछे सजा नीला रंग मुंबई की लगातार चलती ज़िंदगी से प्रेरित है—चाहे वह लोकल ट्रेन की रफ्तार हो या समंदर की लहरें। यह उस कभी न रुकने वाले जज़्बे को दर्शाता है, जो मुंबई और मुंबई इंडियंस दोनों की पहचान है। वहीं सुनहरा रंग आत्मविश्वास और निरंतरता का प्रतीक है, जबकि हल्के कोरल एक्सेंट मुंबईवासियों के आपसी अपनापन और #OneFamily की भावना को खास बनाते हैं। यह जर्सी सिर्फ एक किट नहीं, बल्कि एक कहानी है एक शहर और उसके लोगों की, उन खिलाड़ियों की जो इस धड़कन को मैदान पर जीते हैं और मुंबई इंडियंस पलटन के उस अटूट समर्थन की, जिसकी ऊर्जा टीम को मैदान के अंदर और बाहर प्रेरित करती है। इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर बीम्स 2017 वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। अपने करियर में उन्होंने 1 टेस्ट, 30 वनडे, 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और 45 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले। कोचिंग के क्षेत्र में भी उनका अनुभव शानदार रहा है। वह डब्ल्यूबीबीएल और द हंड्रेड में कोचिंग कर चुकी हैं, ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 महिला टीम की कोच रही हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीड की भूमिका निभा चुकी हैं। बीम्स ने कहा, "झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाड़ी के साथ काम करना मेरे लिए एक शानदार मौका है। यह टीम सिर्फ जीतने की संस्कृति नहीं, बल्कि एक परिवार जैसी है। एक कोच के तौर पर ऐसे माहौल में आना किसी भी व्यक्ति का सपना होता है, जहां टीम एकजुट हो और जीतना जानती हो।"

वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

एंट्री मेलबर्न। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स को 18 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स लगभग 28 साल बाद मेलबर्न पार्क में वापसी करेंगी। उन्होंने यहां पहली बार 1998 में खेला था, जब उन्होंने दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराया था। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में उन्हें अमेरिका की ही लिंडसे डेवनपोर्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में खेलने उतरेंगी, जहां उन्हें भी वाइल्ड कार्ड मिला है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन से ठीक पहले वह होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) में होने वाले एक टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगी। वीनस विलियम्स आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल में दो बार उपविजेता रह चुकी हैं—2003 और 2017 में, जब दोनों ही बार उन्हें फाइनल में बहन सेरेना से हार मिली थी। वीनस ने कहा,"मैं ऑस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित हूं और ऑस्ट्रेलियन समर के दौरान प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्सुक हूं। यहां मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं और उस जगह पर लौटने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखता है।" मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकॉर्ड 54 जीत और 21 हार का रहा है। 2026 में यह 22वीं बार होगा जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में नजर आएंगी।

टूर्नामेंट आयोजकों के अनुसार, वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेटे के नाम था, जिन्होंने 2015 में 44 साल की उम्र में यहां मुकाबला खेला था।

पांचवें टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे उस्मान ख्वाजा

सिडनी। पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान श्रृंखला के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला।

एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है। ख्वाजा ने कहा कि उन्हें लगता था कि उनके पाकिस्तानी और मुस्लिम पृष्ठभूमि के कारण उनके साथ "अभी भी थोड़ा अलग व्यवहार किया जाता है।" ख्वाजा ने यहां पत्रकारों से कहा, "मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं।

मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है लेकिन मीडिया और पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा।" उन्होंने कहा, "मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं।" पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि उन्होंने दो बार गोल्फ खेला और वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। ख्वाजा ने कहा, "मैं आपको ऐसे कई उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए लेकिन आप लोगों ने उनके बारे में कुछ नहीं कहा। मैं आपको ऐसे भी उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ियों ने मैच से पहले की रात को खूब बियर पी और वे अस्वस्थ हो गए लेकिन उनके बारे में भी कुछ नहीं कहा गया लेकिन जब मैं चोटिल हुआ तो मेरी प्रतिबद्धता और एक व्यक्ति के रूप में मेरी छवि पर सवाल उठा दिए गए।" ख्वाजा ने कहा कि उन्हें पता था कि उनके करियर का अंत निकट है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि इस श्रृंखला के शुरू होने से पहले ही मुझे अंदाजा हो गया था कि यह मेरी अंतिम श्रृंखला होगी। मुझे खुशी है कि मैं अपनी शर्तों पर विदाई ले रहा हूं।"

ख्वाजा ने अब तक 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 6,206 रन बनाए हैं जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। ख्वाजा ने कहा, "मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इतने सारे मैच खेलने का मौका मिला। मुझे उम्मीद है कि मैंने इस दौरान लोगों को प्रेरित किया होगा।" क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने एक बयान में कहा, "उस्मान ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान दिया है। वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक रहे हैं और उनकी सफलता का प्रमाण यह है कि उन्हें उसी सत्र में आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर नामित किया गया था जब ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2023 में) जीती थी।"

एशेज सीरीजः सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 12 सदस्यीय टीम घोषित, शोएब बशीर को मौका

सिडनी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। एशेज सीरीज के इस निर्णायक टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में दो बदलाव किए गए हैं।

ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 वर्षीय शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं, उनका औसत 39.00 का रहा है। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम दो बार चार विकेट हॉल और चार बार पांच विकेट हॉल दर्ज हैं। खास बात यह है कि मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी विशेषज्ञ स्पिनर को टीम में चुना है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही टीम के एकमात्र स्पिन विकल्प थे। वहीं 27 वर्षीय तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट डेब्यू किया था।

अब तक खेले गए 10 टेस्ट मैचों में पॉट्स ने 29.44 की औसत से 36 विकेट चटकाए हैं, जिसमें दो चार विकेट हॉल शामिल हैं। मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराने वाली टीम से तेज गेंदबाज गस एटकिंसन इस बार बाहर हैं। एटकिंसन हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

उधर, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर उस्मान ख्वाजा ने पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 वर्षीय ख्वाजा ने 87 टेस्ट मैचों में 6,206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। उनका टेस्ट औसत 43.39 का रहा है।

पांचवें एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जैमी स्मिथ , जोश टंग।

सरकार ने ECMS के तहत 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी, नियोजित निवेश 41,863 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे। मंत्रालय द्वारा अनुमोदनों के तीसरे चरण पर जारी एक 'नोट' के अनुसार, इस मंजूरी में 11 लक्षित खंड के उत्पादों का विनिर्माण शामिल है जिनका विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि मोबाइल विनिर्माण, दूरसंचार, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक, स्वचालित और आईटी हार्डवेयर। स्वीकृत परियोजनाएं आंध्र प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित आठ राज्यों में फैली हुई हैं। ये देश भर में भौगोलिक रूप से संतुलित औद्योगिक वृद्धि और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के विस्तार पर सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाती हैं। इन 11 उत्पादों में से, पांच उत्पाद पीसीबी, कैपेसिटर, कनेक्टर, एनक्लोजर और लिथियम-आयन सेल जैसे मूल घटक हैं।

तीन उत्पाद कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले मॉड्यूल और ऑप्टिकल ट्रांससीवर जैसे उप-असेंबली से संबंधित हैं। अन्य तीन उत्पाद एल्युमीनियम एक्सट्रूज़न, एनोड सामग्री और लैमिनेट जैसी आपूर्ति श्रृंखला की वस्तुएं हैं। 'नोट' में कहा गया कि इन स्वीकृतियों का उद्देश्य घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करना, महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए आयात पर निर्भरता को कम करना और भारत में उच्च मूल्य वाली विनिर्माण क्षमताओं के विकास का समर्थन करना है।

सरकार ने 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा की निर्यातक पैकेज

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये हस्तक्षेप निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे।

ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी। योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी।

प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

मणप्पुरम समूह ने भुवनेश ताराशंकर को बनाया ग्रुप मुख्य वित्त अधिकारी

नई दिल्ली। मणप्पुरम समूह ने भुवनेश ताराशंकर को समूह का मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में यह कहा। बयान के अनुसार, ताराशंकर समूह की सभी कंपनियों में रणनीतिक वित्तीय नेतृत्व प्रदान करेंगे और निदेशक मंडल तथा वरिष्ठ प्रबंधन के साथ मिलकर वित्तीय प्रबंधन, पूंजी की दक्षता और दीर्घकालिक मूल्य सृजन को मजबूत करेंगे। वह चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उनके पास भारत तथा अन्य देशों में अग्रणी बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में काम करने का 30 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्हें वित्तीय रणनीति, पूंजी और बैलेंस शीट प्रबंधन, नियमावली रिपोर्टिंग, कंपनी संचालन, निवेशक संबंध और व्यवसाय विश्लेषण में विशेषज्ञता प्राप्त है। मणप्पुरम समूह में शामिल होने से पहले ताराशंकर ने आरबीएल बैंक लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया। अपने करियर की शुरुआत में उन्होंने सिटीबैंक में भारत और पश्चिम एशिया में नेतृत्व स्तर पर भूमिकाएं निभाईं। मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वी पी नंदकुमार ने कहा, ₹हमें खुशी है कि भुवनेश ताराशंकर हमारे नए ग्रुप सीएफओ बने हैं। उनके पास अग्रणी बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में अनुभव और वित्तीय रणनीति, पूंजी प्रबंधन, संचालन और नियामक संपर्क में मजबूत क्षमता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार, 22 पैसे टूटकर 90.20 पर बंद

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर 90 के स्तर से नीचे फिसल गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

उन्होंने कहा कि हालांकि कच्चे तेल की कमजोर कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में उछाल ने गिरावट को कुछ हद तक अंकुश लगाया। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किसी भी हस्तक्षेप से रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 89.95 पर खुला। कारोबार के दौरान 90.25 प्रति डॉलर के निचले और 89.92 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा।

अंत में डॉलर के मुकाबले 90.20 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.98 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, "निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और अमेरिकी डॉलर में मजबूती से भारतीय रुपया शुक्रवार को एक बार फिर 90 के अंक के पार चला गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का भी रुपये पर दबाव रहा।" अनुज चौधरी ने कहा, " हालांकि, कच्चे तेल की कमजोर कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में उछाल ने गिरावट को कुछ हद तक कम कर दिया। आरबीआई के सरकारी बैंकों के माध्यम से डॉलर बेचने की खबरें हैं जिससे गिरावट की गति को रोकने में मदद मिली।" इस बीच, देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। वहीं छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.38 पर रहा।

अदाणी टोटल गैस ने सीएनजी, पाइप से मिलने वाली गैस की कीमतें घटाईं

नई दिल्ली। अदाणी समूह और फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज के संयुक्त उद्यम अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने कई बाजारों में सीएनजी और खाना पकाने के लिए पाइप से मिलने वाली प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती की है। इससे आम उपभोक्ताओं और वाहन चालकों को सीधी राहत मिली है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी और घरेलू पाइप प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की कीमतों में अधिकतम चार रुपये तक की कटौती हुई है। यह कटौती पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा किए गए ऐतिहासिक शुल्क सुधार के बाद की गई है। इसके तहत गैस परिवहन शुल्क को सुव्यवस्थित किया गया है, जिससे सिटी गैस वितरकों की लागत कम हुई।

निफ्टी ने छुआ नया शिखर, सेंसेक्स ने 573 अंकों की छलांग

मुंबई। बिजली, बैंक एवं धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से शुक्रवार को प्रमुख इक्विटी सूचकांक निफ्टी अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद 182 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि बीएसई सेंसेक्स में 573 अंकों की तेजी दर्ज की गई। कारोबारियों के मुताबिक, घरेलू संस्थागत निवेशकों की तरफ से पूंजी निवेश का सिलसिला जारी रहने और एशियाई बाजारों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजारों को तगड़ा समर्थन मिला।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 573.41 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 623.67 अंक चढ़कर 85,812.27 तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत बढ़कर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 193.45 अंकों की बढ़त के साथ 26,340 का अपना सर्वकालिक उच्च स्तर भी हासिल किया।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एनटीपीसी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और भारती एयरटेल शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 3,268.60 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,525.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक उल्लेखनीय बढ़त के साथ बंद हुए। चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में भी कारोबार के दौरान मजबूती का रुख देखा गया। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नववर्ष के अवकाश पर बंद रहे थे।

इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत गिरकर 60.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 32 अंक गिरकर 85,188.60 अंक और निफ्टी 16.95 अंक की मामूली बढ़त के साथ 26,146.55 अंक पर बंद हुआ था।

मुश्किल भरा था साल 2025 हिम्मत से पार किया निशा रावल

मुंबई। एक्ट्रेस और मॉडल निशा रावल ने नए साल 2026 की शुरुआत पर सोशल मीडिया पर खूबसूरत पोस्ट करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इमोशनल हीलिंग और हिम्मत से भरे साल को याद करते हुए निशा ने अपने बेटे कविश के साथ एक कैंडिड तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की गई तस्वीर में उन्होंने बेटे का चेहरा छिपाया हुआ है और सिर्फ मां-बेटे के हाथों का खास पल कैद है। बेटे कविश के नाखूनों पर मल्टी-कलर नेल पॉलिश लगी हुई है, जबकि निशा के नाखूनों पर हल्के रंग का मैनीक्योर दिख रहा है। पोस्ट को एक सिंपल हार्ट इमोजी के साथ कैप्शन देते हुए निशा ने बेटे के लिए लिखा कि मैं उन चीजों के लिए जिंदगी में जगह बना रही थी जो सच में मायने रखती हैं और मुझे एहसास हुआ कि आप भी मेरे लिए ही जगह बना रहे थे। उन्होंने उस प्यार के लिए आभार जताया, जो सोशल मीडिया से दूर रहते हुए उनके हीलिंग के समय चुपचाप से सपोर्ट कर रहा था। निशा ने आगे लिखा कि इस साल के पहले दिन, मैं उस प्यार के लिए आभारी हूं, जिसने धैर्यपूर्वक मेरा इंतजार किया और जब मैं चुपचाप ठीक हो रही थी तो मेरा साथ दिया। उन्होंने बताया कि साल 2025 उनके लिए काफी मुश्किल भरा साल था, लेकिन उन्होंने इसे ग्रेस के साथ पार किया, अपने छोटे बेटे की दुनिया के रंगों और मासूमियत की रक्षा करते हुए और उस पर प्यार लुटाते हुए जिंदगी के पल सजाए। उन्होंने लिखा कि पिछला साल बहुत मुश्किल था, लेकिन मैंने इसे ग्रेस के साथ पार किया, अपने छोटे बच्चे की दुनिया के रंगों और मासूमियत की रक्षा करते हुए। निशा ने पोस्ट के अंत में फैंस का आभार जताते हुए कहा कि मेरे लिए मौजूद रहने और साथ देने के लिए धन्यवाद। निशा रावल ने टेलीविजन, फिल्मों, थिएटर, कमर्शियल्स और रियलिटी शोज में अपना सफल करियर बनाया है। निशा ने साल 2012 में मुंबई में टीवी स्टार करण मेहरा से शादी की थी। साल 2017 में उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने कविश रखा है। हालांकि, उनकी शादी में मुश्किलें आईं और साल 2021 में दोनों अलग हो गए।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को याद कर भावुक हो गये। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवम्बर को निधन हो गया था। एक जनवरी 2026 को उनकी आखिरी फिल्म इक्कीस को सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी है। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा हाल ही में फिल्म 'इक्कीस' का प्रमोशन करने शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में पहुंचे थे। इस दौरान शो के होस्ट अमिताभ बच्चन दिवंगत धर्मेंद्र को याद कर भावुक हो गए। अमिताभ बच्चन ने कहा, फिल्म इक्कीस हमारे लिए वो आखिरी अनमोल निशानी है, जो कि हिंदी फिल्म जगत के महान विभूती अपने करोड़ों फैन्स के लिए छोड़कर गए। एक कलाकार अपनी सांस के अंतिम छोर तक कला की साधना करना चाहता है।और कुछ ऐसा ही किया मेरे दोस्त, मेरे परिवार, मेरे आदर्श धर्मेंद्र देओल जी ने। अमिताभ ने कहा कि धर्मेंद्र सिर्फ एक शख्स नहीं थे, एक एहसास थे और एहसास जो होता है, वो कभी जाने नहीं देता। वो बस यादें और दुआएं बनकर साथ चलते रहते हैं। अमिताभ ने इस दौरान फिल्म. 'शोले' का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा बेंगलुरु में शूट कर रहे थे। उनकी एक खूबी थी, जो मैं फिजिकल खूबी कहूंगा, वो पहलवान थे एकदम। इसका उदाहरण मुझे भी पता लगा एक दिन जब मौत वाले सीन में आप देख रहे थे मैं तड़प रहा हूं।वो उनकी वजह से तड़प रहा था, उतनी जोर से पकड़ा हाथ. मेरा एकदम नेचुरल एक्टिंग हुआ है उस वक्त।

'बॉर्डर २' का इमोशनल देशभक्ति गीत 'घर कब आओगे' रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 1997 की आइकॉनिक फिल्म 'बॉर्डर' के इस सीक्वल की रिलीज़ 23 जनवरी को सिनेमाघरों में होने जा रही है। फिल्म के साथ-साथ इसके भावनात्मक गीत 'घर कब आओगे' का भी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था, जो अब खत्म हो चुका है। मेकर्स ने गाने का ऑडियो वर्जन रिलीज कर दिया है, जिसे यूट्यूब समेत सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर सुना जा सकता है। 'घर कब आओगे', मूल फिल्म के यादगार गीत 'संदेशे आते हैं' का रीक्रिएटेड वर्जन है, जिसकी अवधि 10 मिनट 34 सेकंड रखी गई है। इस देशभक्ति से भरपूर गीत को सोनू निगम, अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ और विशाल मिश्रा ने मिलकर अपनी आवाज दी है। इसके भावुक बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं, जबकि संगीत मिथुन ने तैयार किया है। गाने के रिलीज होते ही प्रशंसकों के बीच इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के साथ दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन, अहान शेट्टी, मोना सिंह, सोनम बाजवा और मेधा राणा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दमदार स्टारकास्ट, देशभक्ति से लबरेज कहानी और भावनात्मक संगीत के चलते फिल्म को साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रिलीज के बाद 'बॉर्डर 2' दर्शकों के दिलों पर कितना गहरा असर छोड़ती है।

रूस ने यूक्रेन के 64 ड्रोन मार गिराए किया दो हमलावर समूह का सफाया

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) ने 64 यूक्रेनी ड्रोन को रोका और नष्ट कर दिया। इसके अलावा रूसी सेना ने दो यूक्रेनी हमलावर समू को खत्म कर दिया। उन्होंने सूमी क्षेत्र में ग्राबोवस्कोये बस्ती के पास जवाबी हमला करने की कोशिश की थी। बेलगोरोड के क्षेत्रीय संकट केंद्र ने एक बयान में कहा कि पिछले दिनों यूक्रेनी सेना ने रूस के सीमावर्ती बेलगोरोड क्षेत्र के रिहायशी इलाकों पर 80 से ज्यादा ड्रोन दागे।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की एक रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि पिछली रात रूसी एयर डिफेंस ने सारातोव क्षेत्र में यूक्रेन के 20 फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहन गिराए गए। इसके अलावा वोरोनेज और सारातोव क्षेत्रों में से प्रत्येक में आठ ड्रोन, मॉस्को क्षेत्र में सात ड्रोन, रियाजान और रोस्तोव क्षेत्रों में से प्रत्येक में छह ड्रोन, तुला क्षेत्र में तीन ड्रोन, बेलगोरोड क्षेत्र में दो ड्रोन, और कुर्स्क, पेन्ज़ा, कलुगा व तांबोव क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक-एक ड्रोन नष्ट किया गया। रक्षा सूत्रों के अनुसार, रूसी सेना ने दो यूक्रेनी हमलावर समहू को खत्म कर दिया। सूमी क्षेत्र में ग्राबोवस्कोये इलाके में यूक्रेनी सेना ने 119वीं अलग टेरिटोरियल डिफेंस ब्रिगेड के दो हमलावर समूह के साथ जवाबी हमला किया। इस हमले को गोलाबारी से नाकाम कर दिया गया और दुश्मन के दोनों समूह को खत्म कर दिया गया। उधर, बेलगोरोड के क्षेत्रीय संकट केंद्र ने पहली जनवरी को बयान में कहा कि पिछले दिन यूक्रेनी सेना ने रूस के सीमावर्ती बेलगोरोड क्षेत्र में रिहायशी इलाकों पर 80 से ज्यादा ड्रोन दागे।

इससे क्रास्नी ओक्ट्याब्र गांव में एक कृषि सुविधा की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि यास्ने जोरी गांव में एक इमारत, एक कार और एक निजी घर को नुकसान पहुंचा। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग चौथे वर्ष में प्रवेश कर गई है। नए साल की शुरुआत दोनों देशों के बीच हमलों और तेज कूटनीतिक हलचलों के साथ हुई है। रूस ने नए वर्ष की पूर्व संध्या पर यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 200 से अधिक ड्रोन दागे। रूस का दावा है कि यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूसी कब्जे वाले खेरसोन क्षेत्र के एक होटल में 24 लोग मारे गए।

कनाडा में कैब चालक गर्भवती महिला के लिए मसीहा बनकर उभरा

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल का एक कैब चालक एक गर्भवती महिला के लिए मसीहा बनकर उभरा। महिला ने प्रसव पीड़ा होने के बाद कार में ही बच्चे को जन्म दे दिया था और चालक ने तुरंत उसके साथ मौजूद व्यक्ति और नवजात को सकुशल अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, कैब में सवार महिला गर्भवती थी जिसने कार में ही बच्चे को जन्म दे दिया।

ऐसे हालात में भारतीय टैक्सी चालक दंपति के लिए मसीहा बनकर उभरा और उसने इस मुश्किल परिस्थिति में तीनों को सकुशल अस्पताल पहुंचाया। 'ग्लोबल न्यूज' की खबर के अनुसार कैलगरी के टैक्सी चालक हरदीप सिंह तूर को पिछले शनिवार देर रात को एक आपात फोन कॉल आई। फोन करने वाले ने बताया था कि उन्हें अस्पताल जाना है। बाद में उसे पता चला कि महिला गर्भवती थी और वह जल्द शिशु को जन्म देने वाली थी। 'सीटीवी' ने बृहस्पतिवार को तूर के हवाले से अपनी खबर में बताया कि एक गर्भवती महिला थी और उसके साथ मौजूद व्यक्ति उसे टैक्सी में बिठाने में मदद कर रहा था। वह दर्द में थी। तूर ने दंपति को परेशान देखकर स्थिति की गंभीरता को तुरंत भांप लिया। तूर ने 'सीटीवी' को बताया कि मेरे मन में आया कि मुझे एंबुलेंस बुलानी चाहिए। लेकिन मौसम को देखते हुए मैंने सोचा कि शायद ये सही फैसला नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि उनकी भाव भंगिमा से साफ झलक रहा था कि उनके पास समय नहीं है। इसलिए मैंने गाड़ी चलाने का फैसला किया। तूर के लिए अस्पताल तक की यह 30 मिनट की यात्रा अब तक की सबसे लंबी यात्रा थी। 'ग्लोबल न्यूज' की खबर के अनुसार, तूर ने कहा कि शून्य से करीब 23 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान, तूफानी मौसम और फिसलन भरी सड़कों को पार करते हुए उनका एकमात्र लक्ष्य दंपति को जल्द से जल्द और सुरक्षित अस्पताल पहुंचाना था। हालांकि महिला ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही टैक्सी की पिछली सीट पर बच्चे को जन्म दे दिया था।

तूर ने कहा कि मैं रुका नहीं। और मैं बस यही सोच रहा था कि उन्हें जितनी जल्दी हो सके अस्पताल पहुंचाया जाए ताकि उन्हें चिकित्सा सहायता मिल सके। जैसे ही वे अस्पताल पहुंचे अस्पताल के कर्मी तुरंत बाहर आए और दंपति व नवजात शिशु की मदद की। तूर ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। चार साल से टैक्सी चला रहे तूर ने कहा कि यह मेरा पहला अनुभव है कि मैंने दो लोगों को अपनी टैक्सी में बैठाया और तीन लोगों को बाहर उतारा। उन्होंने इसे एक 'गर्व का पल' बताया।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर, प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

दुबई (संयुक्त अरब अमीरात)। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और बृहस्पतिवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं। राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और बृहस्पतिवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे।

अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग ₹बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्धसरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों सहित अन्य मीडिया ने फ़ार्स के हवाले से ही घटनाओं का जिक्र किया है।

अफगानिस्तान: भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोगों की मौत

काबुल (अफगानिस्तान)। दो जनवरी (एपी) अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी ने लंबे समय से जारी शुष्क मौसम को तो खत्म किया लेकिन इसके साथ ही कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने कम से कम 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए।

अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ सईदी के अनुसार मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि खराब मौसम के कारण देश के मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हम्माद ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, मवेशी मारे गए हैं और लगभग 1,800 परिवार प्रभावित हुए हैं जिससे पहले से ही कमजोर शहरी और ग्रामीण समुदायों की स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान के आकलन के लिए टीम भेजी गईं हैं।